RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

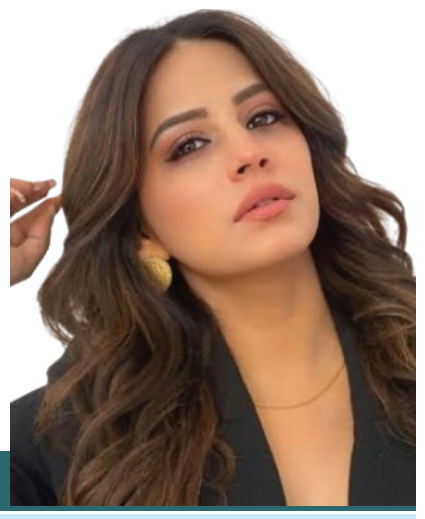

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 253 , बुधवार, 28 अक्टूबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

नशामुक्त बिहार के संकल्प के साथ जिला में एक माह तक चलेगा विशेष जागरूकता अभियान... 03

पोस्टर और प्रभात फेरी से बच्चों ने दिया समान अवसर का संदेश... 04

हिमालय के एक गांव के रहस्यों से पर्दा उठाएंगी भूमिका गुरुंग... 07

लखेंद्र पासवान की टिप्पणी से सरकारी राशन की गुणवत्ता पर सवाल, अशोक चौधरी की मौजूदगी में दिया बयान

गरीबों को मिलने वाली जविप्र का चावल कबूतर के खाने लायक भी नहीं : मंत्री

बीएनएम@ राकेश कुमार

पटना। बिहार में गरीबों को मिलने वाले सरकारी चावल की गुणवत्ता पर ऐसा सवाल उठा है, जिसने जनवितरण प्रणाली की निगरानी और जवाबदेही को कटघरे में खड़ा कर दिया है। सवाल किसी विपक्षी नेता ने नहीं, बल्कि राज्य सरकार के मंत्री लखेंद्र पासवान ने उठाया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि गरीबों को मिलने वाला चावल उनका कबूतर भी नहीं खाता। जिस समय यह टिप्पणी की गई, वहां मंत्री अशोक चौधरी भी मौजूद थे। मंत्री के इस बयान ने सरकारी राशन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस चावल के सहारे गरीब परिवारों की थाली भरने का दावा किया जाता है, उसकी गुणवत्ता पर सरकार के मंत्री की टिप्पणी व्यवस्था की निगरानी पर सवालिया निशान लगाती है। अगर राशन का चावल गुणवत्ता के मानकों पर खरा नहीं उतर रहा है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? और अगर चावल सही है, तो मंत्री के बयान के पीछे की वजह क्या है?

गरीबों की थाली पर सवाल- जनवितरण प्रणाली का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों तक खाद्यान्न पहुंचाना है। इसके लिए अनाज की खरीद, भंडारण और वितरण के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने की व्यवस्था है। लेकिन मंत्री की टिप्पणी के बाद यह सवाल उठना लाजिमी है कि इन व्यवस्थाओं की निगरानी कितनी प्रभावी है। गरीबों को मिलने वाले अनाज की गुणवत्ता पर शिकायतें हैं, तो उनकी जांच और समाधान की जिम्मेदारी किसकी है?

बयान के बाद कार्रवाई का इंतजार- लखेंद्र पासवान के बयान का वीडियो सामने आने के बाद चर्चा तेज है। वीडियो में अशोक चौधरी की प्रतिक्रिया भी लोगों का ध्यान खींच रही है। हालांकि, उनकी प्रतिक्रिया के संदर्भ में किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। अब निगाह संबंधित विभाग पर है। क्या मंत्री के बयान को गंभीरता से लेते हुए राशन के चावल की गुणवत्ता की जांच कराई जाएगी? क्या गड़बड़ी मिलने पर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होगी? फिलहाल, इस मामले में किसी आधिकारिक जांच या कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। बयान ने सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं, लेकिन इनका जवाब जांच और कार्रवाई से ही मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

पैसे देकर चलाया गया था ई 20 के खिलाफ अभियान

- केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इथेनॉल मिक्स पेट्रोल यानी ई 20 पर हाल में खासकर सोशल मीडिया पर काफी बवाल मचा था। कई लोगों ने शिकायत की थी इससे गाड़ियों का इंजन

खराब हो रहा है और माइलेज पर भी असर पड़ रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने आज कहा कि पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिलाने को लेकर विरोध 'पैसे देकर चलाया गया अभियान' था। गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहा, ''तीन महीने पहले ई 20 ईंधन के खिलाफ काफी शोर मचाया गया था। इसके खिलाफ अभियान चलाया गया।

सीईसी के इस्तीफे तक नहीं रुकेगा विपक्ष

- दिल्ली में राहुल गांधी का दावा, की जन सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को दिल्ली के त्रिलोकपुरी स्थित ब्लॉक 20 में वोट अधिकार जीने का अधिकार जन सुनवाई में शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी ने मुख्य

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि देश में ऊपर के स्तर से वोट चोरी की जा रही है और गरीबों के नाम जानबूझकर मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट है और जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें पद से नहीं हटाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

विशाखापट्टनम से टकराने वाला है चक्रवाती तूफान 'अर्नब'

- ओडिशा-आंध्र में स्कूल बंद, बंगाल में भी बारिश का अलर्ट

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में उठे भीषण चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के पूर्वी तट की ओर बढ़ने के साथ ओडिशा के कुछ हिस्सों में मंगलवार को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने तूफान के 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट पर बापटला और विशाखापत्तनम के बीच यानम के पास पहुंचने का अनुमान जताया है। आईएमडी के अनुसार, तूफान मंगलवार सुबह बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य हिस्से में विशाखापत्तनम से लगभग 260 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था। इसके मंगलवार शाम तक पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने और उसके बाद उत्तर-पश्चिम की ओर मुड़ने की संभावना है। तूफान के तट से टकराने के दौरान 115 से 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और पवन के झोंकों की गति 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। ओडिशा में आईएमडी ने पुरी, गजपति, गंजाम, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरि जिलों के लिए भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

डेटा प्रोटेक्शन कानून से खबरों की रिपोर्टिंग करना होगा मुश्किल

- 21 मीडिया ग्रुप की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को भेजा नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट और इससे जुड़े नियमों को चुनौती देने वाली याचिका पर मंगलवार को केंद्र सरकार से जवाब मांगा। यह याचिका डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन ने दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि कानून में पत्रकारिता को छूट नहीं मिलने से खोजी पत्रकारिता, खबरों की रिपोर्टिंग और गोपनीय सूत्रों की पहचान सुरक्षित रखने में मुश्किल हो सकती है। न्यूज पब्लिशर्स ने कानून के कई प्रावधानों को असंवैधानिक बताते हुए रद्द करने की मांग की है। एसोसिएशन ने डेटा कानून के तहत निजी जानकारी के इस्तेमाल के लिए सहमति की शर्त, कानून में बदलाव और सरकार को दी गई जानकारी मांगने की शक्तियों पर सवाल उठाए हैं। मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी।

डेटा कानून को चुनौती देने वालों में अंबानी-अडाणी की भी कंपनियां

डेटा प्रोटेक्शन कानून और उससे जुड़े नियमों के कई प्रावधानों को चुनौती दी गई है। एसोसिएशन में देश के 21 न्यूज पब्लिशर्स शामिल हैं। इनमें मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाला नेटवर्क18, गौतम अडाणी का एनडीटीवी, इंडियन एक्सप्रेस जैसे मीडिया समूह शामिल हैं। केंद्र सरकार ने डिजिटल माध्यमों पर लोगों की निजी जानकारी की सुरक्षा के लिए यह कानून बनाया है। इसके तहत डिजिटल पर्सनल डेटा का इस्तेमाल करने वाले संगठनों पर नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी तय की गई है। न्यूज पब्लिशर्स का कहना है कि मीडिया संस्थानों को छूट नहीं मिलने से प्रेस की आजादी प्रभावित हो सकती है। याचिका में कानून के विवादित प्रावधानों को रद्द करने के साथ सुनवाई के दौरान उन पर अंतरिम रोक लगाने की मांग भी की गई है।

एसआईआर पर अब दीवाली बाद होगी 'सुप्रीम' सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन और चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर राहुल गांधी समेत विपक्षी दलों के नेताओं की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। चुनाव आयोग ने अपने 248 पेज के हलफनामे में आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि एसआईआर से जुड़े सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए थे। कोर्ट ने मुख्य मामले में याचिकाकर्ता राकेश कुमार सिंह को आयोग के जवाब पर हलफनामा दाखिल करने के लिए 10 दिन का समय दिया। इसके अलावा, सांसद डोला सेन की याचिका पर चुनाव आयोग को अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करने के लिए इतना ही समय दिया। अब अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि बिहार में एसआईआर के दौरान सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बिना फॉर्म-6 में बदलाव किए गए। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दाखिल कर इन आरोपों को खारिज किया। आयोग ने अपना पक्ष रखा है।

कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को धमकी देने वाला गिरफ्तार

- खुद भी कश्मीरी पंडित, फारुक के खिलाफ लड़ा था चुनाव

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को धमकी देने के मामले में एक्टिविस्ट राकेश हांडू को हरियाणा से गिरफ्तार किया गया। वह भी कश्मीरी पंडित है। राकेश ने 2008 में फारुक अब्दुल्ला के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था और हार गया था। हांडू बारामूला का रहने वाला है, लेकिन अभी फरीदाबाद में रहता है। उसे बारामूला और स्थानीय पुलिस ने 17 अक्टूबर को घर से हिरासत में लिया। इसके बाद ट्रांजिट रिमांड पर जम्मू-कश्मीर लाया गया। पुलिस के मुताबिक, उसके खिलाफ सबूत मिले हैं। उस पर आतंकवाद और साइबर अपराध से जुड़ी धाराओं में केस दर्ज है। 7 अगस्त से 1 सितंबर के बीच कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को तीन धमकी भरे पत्र मिले। इनमें उनके नाम, घर के पते और गाड़ियों के नंबर

व रंग जैसी निजी जानकारी दर्ज थी। धमकियों के बाद प्रधानमंत्री के विशेष रोजगार पैकेज के तहत नियुक्त सैकड़ों कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को करीब तीन सप्ताह तक काम पर न आने को कहा है।

तमिलनाडु की जेल से सत्रह कैदी फरार, पांच गिरफ्तार

मिर्गी के दौरे का नाटक कर गार्डों पर हमला किया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के थेनी जिले की थेक्कमपट्टी सब-जेल से सोमवार देर रात 17 कैदी फरार हो गए। कैदियों ने एक साथी को मिर्गी का दौरा पड़ने का नाटक किया। उसकी मदद के लिए जैसे ही जेलकर्मी सेल में पहुंचे, सभी ने उन पर हमला कर दिया और फरार हो गए। पुलिस ने अब तक 5 कैदियों को गिरफ्तार किया है। बाकी कैदियों की तलाश जारी है। उन्हें पकड़ने के लिए 17 स्पेशल टीमें बनाई गई हैं। आसपास के जिलों में अलर्ट जारी किया गया है और पड़ोसी राज्य केरल की पुलिस को भी सूचना दी गई है। घटना के बाद ड्यूटी पर तैनात 9 जेलकर्मियों और अधिकारियों को लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है।

एक पुलिसकर्मी के सिर में चोट अस्पताल में भर्ती

पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, कैदियों ने बताया था कि एक कैदी को दौरे पड़ रहे हैं। इसके बाद जेल कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी सेल का दरवाजा खोलकर अंदर पहुंचे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे सभी कैदियों ने उन पर हमला कर दिया। घटना में 3 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। थेनी जिला जेल में तैनात ग्रेड-2 पुलिसकर्मी थंगापांडी के सिर में चोट आई है। उन्हें जी. विलाक्कु के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अरुणाचल पर कब्जे के फर्जी वीडियो पर भड़की बीजेपी

किरन रिजिजू ने कांग्रेस को घेरा, कहा-देश से माफी मांगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर भारत-चीन सीमा को लेकर एक वीडियो सामने आया, जिसमें दावा किया गया कि चीनी वाहन भारतीय क्षेत्र में घुस आए हैं। एक दूसरे वीडियो में सेना के वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा गया कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों पर कब्जा कर लिया है और भारतीय सैनिकों को जरूरी सामान तक नहीं मिल रहा। इन दावों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए, लेकिन भारतीय सेना की जांच में दोनों वीडियो भ्रामक पाए गए। इसके बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और देश से माफी मांगने की बात कही है। विवाद तब बढ़ा, जब कांग्रेस प्रवक्ता ऋतु चौधरी के सोशल मीडिया पोस्ट में ये वीडियो साझा किए गए। सेना ने साफ किया कि एक वीडियो में सामान्य कारोबारी वाहनों को घुसपैठ के रूप में

दिखाया गया, जबकि दूसरे में पुराने सैन्य फुटेज के साथ छेड़छाड़ कर झूठे बयान जोड़े गए थे। भारतीय सेना के मुताबिक, पहले वीडियो में सिक्किम के नाथू ला दर्रे पर चीनी कंपनी के व्यावसायिक वाहन दिखाई दे रहे थे।

गाय खरीदने पर 50 हजार सब्सिडी का भी किया ऐलान

यूपी में गरीबों को 100 चूजे मुफ्त में देगी योगी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। योगी कैबिनेट ने फैसला किया है कि गाय खरीदने पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी राज्य सरकार देगी। यह केवल दो गाय खरीदने पर मिलेगी। इसके अलावा गरीब परिवारों को मुर्गी पालन के लिए 100-100 चूजे मुफ्त बांटे जाएंगे। सीएम योगी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में 22 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने पंचायत चुनाव में वोटर बनने के लिए भी नए प्राविधान को मंजूरी दी। अब वोटर बनने के लिए गांव में छह माह का निवासी होना अनिवार्य कर दिया गया है। अब मछुआरों या अन्य व्यक्तियों को अपनी नावों या स्टीमर्स का रजिस्ट्रेशन कराना होगा। दूध उत्पादन बढ़ाने, पशुओं की नस्ल सुधारने और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए राज्य पशुधन मिशन शुरू किया जाएगा।

पंचायत चुनाव में वोटर बनने के लिए छह महीने का निवास अनिवार्य

पंचायती राज चुनाव के लिए मतदाता का 6 महीने पहले से उस गांव का निवासी होना अनिवार्य होगा। कैबिनेट ने इसके लिए एक्ट में संशोधन को मंजूरी दे दी है। अब तक एक्ट में मतदाता कौन होगा ये तय नहीं था। अब संशोधन कर तय किया है कि भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची की तरह पंचायत राज की मतदाता सूची में 18 वर्ष की आयु का व्यक्ति जो सामान्य तौर पर 6 महीने या इससे ज्यादा समय से गांव में निवास करता हो उसे मतदाता बनाया जा सकेगा।

बंगाल में रेप-मर्डर के आरोपी की मुठभेड़ में मौत

- क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान रिवॉल्वर छीनी थी
- राज्य में रेप के रोज 17 मामले, 2454 मामले दर्ज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के गायघाटा में 17 साल की छात्रा से रेप और हत्या के आरोपी 23 साल के युवक की पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। सोमवार रात क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मी की सर्विस रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी। पश्चिम बंगाल में 1 मई से 24 सितंबर तक रेप के 2,454 मामले दर्ज हुए। यानी

इन पांच महीनों में हर दिन औसतन करीब 17 रेप के मामले सामने आए। क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग करने वाले आरोपी की मौत की यह तीन महीने में दूसरी घटना है। पुलिस के मुताबिक, गोली लगने के बाद आरोपी को चांदपाड़ा ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने रिवॉल्वर कैसे छीनी और फायरिंग तक घटनाक्रम कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा सकती है। फायरिंग के दौरान पुलिसकर्मियों ने पास की नहर में छिपकर बचाव किया। इस घटना में कोई पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ। आरोपी के परिजन अस्पताल पहुंचे और घटना पर नाराजगी जताई।

बंगाल में 5 महीने में रेप के 2,454 और हत्या के 600 मामले

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद 1 मई से 24 सितंबर के बीच रेप के 2,454, हत्या के 600, हत्या की कोशिश के 13,114 और गंभीर चोट पहुंचाने के 32,341 मामले दर्ज हुए। ये आंकड़े राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एसआरबी) के हवाले से आरटीआई के जवाब में सामने आए हैं। आरटीआई आवेदन टीएमसी नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद साकेत गोखले ने दाखिल किया था।

म्यूजिक प्रोग्राम में गई थी छात्रा, अगली सुबह शव मिला

पुलिस के मुताबिक, 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा अपने नाना-नानी के साथ रहती थी। वह शनिवार रात अपने घर के पास एक म्यूजिक प्रोग्राम में गई थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रात करीब 10.30 बजे फोन आने के बाद वह प्रोग्राम से चली गई थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। रविवार सुबह उसका शव गायघाटा इलाके में एक पड़ोसी के घर के बाहर मिला। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच की और आरोपी युवक को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। शुरुआती जांच में छात्रा के सिर और चेहरे समेत शरीर के कई हिस्सों पर चोट के निशान मिले हैं। जुलाई में दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में 11 साल की बच्ची से रेप और हत्या के मामले के मुख्य आरोपी की भी पुलिस एनकाउंटर में मौत हुई थी। पुलिस के मुताबिक, क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान उसने एक पुलिस अधिकारी की रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग की थी। जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी थी।

संक्षिप्त समाचार

नाव हादसा में अज्ञात नाविक-मालिक पर एफआईआर, नाव पर 19 लोग थे सवार, 13 की हुई थी मौत

हाजीपुर। हाजीपुर के वैशाली जिले में राघोपुर थाना क्षेत्र के रामपुर श्यामचंद पंचायत के भगतान टोला में गंगा नदी में हुए नाव हादसे के मामले में पुलिस ने अज्ञात नाविक और नाव मालिक के खिलाफ FIR दर्ज की है। 13 अक्टूबर को हुए इस हादसे में 13 बच्चों की मौत हुई थी, जबकि छह लोग घायल हुए थे। राघोपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी के आवेदन पर 26 अक्टूबर को राघोपुर थाने में केस नंबर 322/26 दर्ज किया गया। FIR के मुताबिक, हादसे के समय नाव पर 18 नाबालिग बच्चों और एक वयस्क समेत कुल 19 लोग सवार थे। पुलिस अब नाव के गैर-निबंधित होने, सूर्यास्त के बाद उसके संचालन और सुरक्षा मानकों के पालन की जांच करेगी। नाव पर जरूरी सुरक्षा उपकरण मौजूद थे या नहीं, इसकी भी पड़ताल की जाएगी। पुलिस भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी रोक के उल्लंघन की भी जांच करेगी। इसके साथ ही नाव की स्थिति, यात्रियों की संख्या, निबंधन, संचालन की अनुमति और नाविक व नाव मालिक की भूमिका की पड़ताल की जाएगी। पुलिस जांच में प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट को भी आधार बनाया जाएगा। जांच के दौरान हादसे के कारणों और जिम्मेदार लोगों की भूमिका स्पष्ट करने की कोशिश की जाएगी।

23 पुड़िया कोटा और 180 लीटर शराब जब्त, हसनपुर से 2 युवक गिरफ्तार, 15 दिन में पुलिस को मिलीं 14 सफलताएं

हाजीपुर। वैशाली के महनार अनुमंडल क्षेत्र में पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। महनार थाना क्षेत्र के हसनपुर से 23 पुड़िया सूखा नशा कोटा के साथ अमन कुमार और लक्की कुमार को गिरफ्तार किया गया है। गोरीगामा में बाइक पर लदी 180 लीटर देसी शराब जब्त की गई। हालांकि, कारोबारी मौके से फरार हो गया, जिनके खिलाफ केस दर्ज कर तलाश जारी है। एसडीपीओ प्रवीण कुमार ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यह कार्रवाई हो रही है। पिछले 15 दिनों में पुलिस को 14 सफल कार्रवाई मिली हैं। पुलिस रोजाना कम से कम 10 जगहों पर छापेमारी कर रही है। एसडीपीओ ने साफ किया कि नशे के अवैध कारोबार और शराब तस्करी रोकने का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सोनपुर मंडल में टिकट जांच अभियान, 1909 यात्रियों पर कार्रवाई, 16.50 लाख रुपए जुर्माना वसूला

हाजीपुर। सोनपुर रेल मंडल में बिना टिकट और गलत टिकट पर यात्रा करने वालों के खिलाफ रेलवे का टिकट जांच अभियान जारी है। 26 अक्टूबर को चले विशेष अभियान में 1909 यात्रियों पर कार्रवाई की गई। इनसे रेलवे को 16 लाख 50 हजार 900 रुपये का जुर्माना मिला। यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार के निर्देश पर चला। सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, मानसी, खगड़िया और नवगछिया समेत कई स्टेशनों और ट्रेनों में बारीकी से जांच हुई। जांच में टिकट जांच कर्मियों, रेलवे सुरक्षा बल और वाणिज्य विभाग की टीमों ने मिलकर काम किया। रेल प्रशासन ने यात्रियों से वैध टिकट लेकर यात्रा करने की अपील की है। बिना टिकट यात्रा करने वालों पर रेलवे अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षित यात्रा और राजस्व बचाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

22 साल की विवाहिता की मर्डर का आरोप, चौकीदार समेत ससुराल वालों पर एफआईआर

हाजीपुर। वैशाली जिले के वीरपुर गांव में 22 साल की अंजली कुमारी की हत्या का आरोप लगा है। अंजली की मां सविता देवी ने जुड़ावनपुर थाने में FIR दर्ज कराई है। इसमें चौकीदार जग्गू राम समेत अंजली के ससुराल वालों को आरोपी बनाया गया है। सविता देवी के अनुसार, 25 अक्टूबर सुबह करीब 6 बजे उन्हें अंजली की हत्या की खबर मिली। आरोप है कि अंजली का गला रस्सी से दबाया गया और उसे करंट भी लगाया गया। इसके बाद शव को गायब करने की कोशिश की जा रही थी। मां सविता देवी ने बताया कि शादी के बाद से ही अंजली के ससुराल वाले दहेज में मोटरसाइकिल मांग रहे थे। मायके वालों की आर्थिक स्थिति ठीक न होने से वे तुरंत बाइक नहीं दे पाए। आरोप है कि इसी वजह से अंजली को प्रताड़ित किया जाता था और मारपीट भी होती थी। मां का दावा है कि इसी विवाद के चलते उनकी बेटी की हत्या कर दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी या पुलिस कार्रवाई की कोई जानकारी नहीं मिली है।

गंगा नदी हर-रोज 10 मीटर जमीन काट रही, 100 एकड़ से ज्यादा उपजाऊ जमीन नदी में समाई

हाजीपुर। वैशाली जिले के देसरी प्रखंड के खड़गपुर में गंगा नदी का कटाव तेज हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हर दिन करीब 10 मीटर जमीन नदी में समा रही है। अब तक 100 एकड़ से ज्यादा उपजाऊ जमीन कटकर नदी में मिल चुकी है। कटाव अब आबादी वाले इलाकों की तरफ बढ़ रहा है, जिससे गंगा किनारे रहने वाले सैकड़ों लोगों में डर है। किसानों को अपनी जमीन और फसलों की चिंता सता रही है। स्थानीय लोगों जैसे नीतेश सिंघानिया, गौरव कुमार, लगनदेव राय, विकास कुमार, अजय पासवान, गोलू कुमार सिंह और अनिल सिंह ने बताया कि इस साल गंगा नदी करीब दो महीने तक उफान पर रही। पिछले साल के मुकाबले इस बार कटाव ज्यादा हो रहा है। कटाव उत्तर दिशा में करीब एक किलोमीटर के क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है, जिससे किसानों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते कटाव रोकने के लिए कदम नहीं उठाए गए, तो उपजाऊ जमीन के साथ-साथ आबादी वाले क्षेत्र को भी नुकसान हो सकता है।

सारण से निर्दलीय राहुल,तिरहुत से बीजेपी के एनपी सिंह जीते, पटना स्नातक में नीरज पीछे

पटना। बिहार विधान परिषद की 8 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। तिरहुत शिक्षक सीट से बीजेपी के नरेन्द्र सिंह 600 वोटों से जीत गए हैं। वहीं सारण शिक्षक सीट से बीजेपी के बागी और निर्दलीय राहुल राज ने दूसरी वरीयता में 328 से जीत दर्ज की है। पटना स्नातक सीट से नीरज कुमार पीछे चल रहे हैं। राजद कैंडिडे दिलीप पटेल आगे चल रहे हैं। जबकि दरभंगा में जनसुराज के सुरेश प्रसाद राय आगे चल रहे हैं। मदन मोहन झा काउंटिंग सेंटर से बाहर निकल गए हैं। वहीं सारण से बीजेपी से बगावत कर निर्दलीय चुनाव में उतरे राहुल राज आगे चल रहे हैं। कोसी स्नातक सीट से एनके यादव आगे चल रहे हैं। चार स्नातक और चार शिक्षक सीट पर 23 अक्टूबर को हुए चुनाव में कुल 150 प्रत्याशी मैदान में हैं।

जनसुराज पार्टी के डिजिटल मैनेजर ट्रेन से हुए लापता, लाश मिली

एजेंसी, पटना

जनसुराज पार्टी के लापता डिजिटल कम्युनिकेशन मैनेजर देवपालिक गुप्ता का शव मिला है। 31 साल के देवपालिक उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के रहने वाले थे। सोमवार को रांची से पटना आने के लिए जनशताब्दी एक्सप्रेस (12366) में सवार हुए थे। इसी दौरान मुरी जंक्शन से पहले अचानक लापता हो गए थे। देवपालिक गुप्ता का शव अनगड़ा थाना क्षेत्र स्थित जरवाडीह के पास रांची-मुरी रेल मार्ग के डाउन लाइन के बगल के झाड़ी में मिला है। इसमें अनगड़ा थाना की पुलिस और जीआरपी संयुक्त रूप से जांच कर रही है। सिर और चेहरे पर खरोंच के निशान मिले हैं। चलती ट्रेन से गिरने से मौत की आशंका जाहिर की जा रही है। वहीं, जनसुराज संघर्ष वाहिनी (JSV) के प्रदेश अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मौत की जानकारी दी है।

रांची से पटना आने के दौरान लापता हुए थे देवपालिकः देवपालिक के दोस्त ने सोशल मीडिया पर लिखा, 26 अक्टूबर को देवपालिक अपने दो साथियों के साथ जनशताब्दी एक्सप्रेस से रांची से पटना आ रहे थे। ट्रेन में उनकी सीट कोच C-2 और नंबर 50 थी। दोपहर करीब 3 बजे, मुरी स्टेशन से पहले, वो पेंट्री में खाना ऑर्डर करने गए और उसके बाद अचानक गायब हो गए। काफी देर तक जब दोनों साथियों ने उन्हें नहीं देखा तो फोन किया, लेकिन फोन बंद आया। हालांकि, वह ट्रेन से कैसे और किन परिस्थितियों में लापता हुए थे, इस बारे में फिलहाल स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

> **जनशताब्दी से रांची से पटना आ रहे थे, रांची-मुरी रेल लाइन के बगल में मिली लाश**

6 घंटे बाद दर्ज हुई FIRः दोस्त के मुताबिक, ट्रेन आगे बढ़ी और करीब 4:30 बजे बोकारो पहुंची। रेल मदद में शिकायत की गई। वहां कोई मदद नहीं मिली। साथी के मुताबिक, RPF-GRP के बीच मामला उलझता रहा। बोकारो GRP जाने पर कहा गया कि ये मुरी का मामला है, वहां जाकर शिकायत करिए। फिर दोनों साथी मुरी पहुंचे। वहां कहा गया कि रांची में केस दर्ज होगा। घटना करीब 3 बजे दोपहर में हुई और 6 घंटे बाद FIR रात 9 बजे दर्ज हुई। साथियों का आरोप है कि पुलिस ने रात में सर्च करने की बात तो की, लेकिन देवपालिक गुप्ता की तलाश नहीं की गई।

जनसुराज पार्टी में डिजिटल कम्युनिकेशन मैनेजर थे देवपालिकः देवपालिक गुप्ता प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी से जुड़े हुए थे। वह पार्टी में डिजिटल कम्युनिकेशन मैनेजर की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उन्होंने दिल्ली स्थित भारतीय जनसंचार संस्थान (IIMC) से पढ़ाई की थी। बांकीपुर उपचुनाव में देवपालिक गुप्ता ने काफी काम किया था। देवपालिक के लापता होने के बाद जन सुराज द्वारा एफआईआर दर्ज कराई गई थी। राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार सौरभ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, रांची के उपायुक्त और पुलिस अधिकारियों से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की थी। पोस्ट में झारखंड पुलिस और रांची जिला प्रशासन को भी टैग किया गया था।

बाढ़ में मूर्ति विसर्जन के बाद पथराव और फायरिंग

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र में मूर्ति विसर्जन के बाद दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई है। इस दौरान पथराव और फायरिंग भी की गई। कुछ लोगों ने गली में खड़ी एक गाड़ी में तोड़फोड़ भी की। पुलिस ने दोनों पक्षों से 10 लोगों को हिरासत में लिया है। गांव में तनाव को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। विवाद सोमवार रात में मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के बाद डीजे बजाने को लेकर शुरू हुआ था। घटना मनकौरा गांव की है।

राइफल से फायरिंग की सूचनाः पुलिस ने रात में दोनों पक्षों को समझाकर शांत करा दिया था, लेकिन मंगलवार सुबह फिर कहासुनी शुरू हो गई। इसके बाद दोनों तरफ से पत्थरबाजी होने लगी और कुछ लोगों ने राइफल से फायरिंग भी की।

फायरिंग के सबूत नहीं मिलेः वहीं, इस संबंध एसडीपीओ-1 रामकृष्ण ने बताया कि मामला बीती रात्रि में ही सुलझा दिया गया था। सुबह दोनों पक्षों के बीच पथराव की घटना सामने आई है। एक पक्ष का आरोप है कि दूसरे पक्ष ने फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है। फायरिंग को लेकर कोई साक्ष्य नहीं मिला है। दोनों पक्ष से ज्यादा भीड़ जुट जाने के कारण फिर से यह घटना हुई है। शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस बल तैनात की गई है। मामले को लेकर दोनों पक्षों से 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है। प्रथम दृष्टया विवाद को लेकर बताया जा रहा है कि पूर्णिमा के दिन मूर्ति विसर्जन के बाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। विसर्जन के लगभग 3 घंटे बाद गाना बजाने को लेकर युवाओं के बीच झड़प हुई थी। सुबह एक खड़ी गाड़ी को क्षतिग्रस्त किया गया है। आगे की जांच की जा रही है।

पटना में वोट चोरी के नारे लगे

एजेंसी, पटना

बिहार विधान परिषद की 8 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। पटना स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की काउंटिंग बांकीपुर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में हो रही है। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 14 और शिक्षक के लिए 7 टेबल लगाए गए हैं। पटना स्नातक सीट से जेडीयू के नीरज सिंह और जन सुराज के अनुज सिंह के बीच मुख्य मुकाबला है। शुरूआती रूझान में नीरज सिंह करीब 900 वोटों से आगे चल रहे हैं। वहीं, शिक्षक सीट से बीजेपी के नवल किशोर यादव और आरजेडी के डॉ. संजीव सिंह के बीच मुकाबला है। काउंटिंग शुरू होने के कुछ देर बाद सेंटर के बाहर हंगामा हुआ है। 'वोट चोर' के नारे लगे हैं। एक शख्स फाइल लेकर अंदर जा रहा था, इस दौरान लोगों ने हंगामा कर दिया। मतगणना रूम में सीसीटीवी नहीं होने पर पटना शिक्षक सीट के कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर संजय कुमार ने धरना दिया। इसको लेकर राजद प्रत्याशी डॉ. संजीब सिंह ने चुनाव आयोग से शिकायत की है। वहीं, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी उज्जवल कांत ने धांधली के आरोप लगाए। जन सुराज के MLC उम्मीदवार दिव्या ज्योति ने MLC वोटों की गिनती में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हम विरोध नहीं कर रहे हैं। शांति से देख रहे हैं कि अंदर क्या हो रहा है। फाइलों के पांच बंडल अंदर ले जाए जा रहे थे, जिन्हें हमारे समर्थकों ने गेट पर ही रोक दिया। हमारे विरोध के बाद, उन फाइलों को वापस ले जाया गया। दबाव में जब उन्हें खोला गया, तो उनमें 'ग्रेजुएट्स निर्वाचन क्षेत्र' के लिए 'फॉर्म 16' थे। जब वोटों की गिनती के दौरान अंदर ही 'फॉर्म 16' का मिलान किया जाना है, तो बाहर से एक अतिरिक्त कॉपी अंदर क्यों ले जाई जा रही थी?

बीजेपी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन कैंसिल एमएलसी चुनाव के काउंटिंग को लेकर प्लान बदला

एजेंसी, पटना

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान को लेकर बिहार में सियासी संग्राम मचा हुआ है। भाजपा के विरोध-प्रदर्शन के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आज पूरे बिहार में प्रदर्शन का ऐलान किया था, लेकिन एमएलसी चुनाव के काउंटिंग को लेकर इसे रीशेड्यूल किया गया है। हालांकि जिलों में प्रदर्शन की बात कही गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने सभी जिला अध्यक्षों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

खरगे के वक्तव्य को गलत तरीके से पेश किया गया : प्रदेश कांग्रेस मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन डॉ. अजय कुमार पासवान ने बताया कि भाजपा की ओर से हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष के बयान को कथित तौर पर गलत तरीके से पेश किया गया। भाजपा इस मुद्दे पर नकारात्मक राजनीति कर रही है और राजनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन कर रही है। किसी बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करना और उसके आधार पर अमर्यादित विरोध प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है।

खड़गे ने कहा था- मोदी क्या, मोदी का बाप भी जाएगाः रविवार को पटना में कांग्रेस के कार्यक्रम में खड़गे ने कहा था, 'मोदी क्या, मोदी का बाप भी जाएगा।' खरगे ने यह बात एक कार्यकर्ता के जवाब में कही। कार्यकर्ता ने कहा था कि मोदी जी नहीं जाने वाले हैं। जब तक देश में विद्रोह नहीं होगा, मोदी सरकार नहीं हटेगी। इस पर वहां मौजूद लोगों ने उस शख्स की पिटाई कर दी। पीएम मोदी को अपशब्द कहने पर मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

> **खड़गे के बयान को गलत तरीके से पेश करने का आरोप**

भाजपा ने किया था प्रदर्शनः इसके विरोध में भाजपा सोमवार को सड़क पर उतरी। पार्टी ऑफिस से प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने विरोध मार्च निकाला था। इस दौरान 'बुजुर्ग खड़गे शर्म करो, अपशब्द बोलना बंद करो' जैसे नारे लिखे बैनर-पोस्टर के साथ नारेबाजी की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, राहुल-खड़गे को पूरे देश से कान पकड़कर, उठक-बैठक लगाकर माफी मांगनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी का पोस्टर जलाया गया।

मोबिल गिरोह का आतंक, हॉटस्पॉट बना जक्कनपुर, 1 महीने में 5 घटना, कोतवाली, कंकड़बाग में भी वारदात

एजेंसी, पटना

राजधानी पटना में कार का शीशा तोड़कर नकदी और कीमती सामान चोरी करने वाला मोबिल गिरोह एक बार फिर सक्रिय हो गया है। जक्कनपुर, कंकड़बाग, कोतवाली और एयरपोर्ट थाना क्षेत्र गिरोह के लिए हॉटस्पॉट बनता जा रहा है। बदमाश पहले ड्राइवर को गाड़ी के आगे मोबिल गिरने का झांसा देते हैं। जैसे ही ड्राइवर गाड़ी रोककर बोनट खोलने या जांच करने के लिए बाहर निकलता है, गिरोह के दूसरे सदस्य कार का शीशा तोड़कर अंदर रखा सामान लेकर फरार हो जाते हैं।

सोमवार को जक्कनपुर थाना क्षेत्र में बदमाशों ने एक ही दिन में दो अलग-अलग घटनाओं को अंजाम दिया। इलाके में एक महीने के अंदर इस तरह की यह पांचवीं घटना बताई जा रही है। लगातार हो रही वारदातों से वाहन चालकों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, अलग-अलग इलाकों में ऐसी घटनाएं होने के बावजूद गिरोह के सदस्यों की गिरफ्तारी नहीं होने से पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।

बैंक में रुपए जमा करने जा रहे कारोबारी को बनाया निशानाः पहली घटना जक्कनपुर थाना क्षेत्र के दुपुलवा के पास हुई। सोमवार सुबह करीब 11 बजे कारोबारी सजेंद्र बिहारी सिंह अपनी कार से बैंक में दो लाख रुपए जमा करने जा रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने उन्हें गाड़ी के आगे मोबिल गिरने का इशारा किया। कारोबारी गाड़ी रोककर जांच करने के लिए नीचे उतरे। इसी दौरान बदमाशों ने कार का शीशा तोड़ दिया। रुपए और जरूरी कागजात से भरा बैग लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने जक्कनपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

> **गाड़ी का शीशा तोड़कर कैश और सामान लेकर फरार**

दूसरी घटना जक्कनपुर थाने से महज 50 मीटर की दूरी पर हुई। पीड़ित सबीर कुमार सोनू अपनी कार खड़ी कर बाटा शोरूम गए थे। वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि कार का पिछला शीशा टूटा हुआ है। कार में रखा लैपटॉप और बैग गायब था। चोरी गए सामान की कीमत करीब 70 हजार रुपए बताई गई है। एक ही दिन में दो घटनाएं होने के बाद पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के चांदनी मार्केट के पास भी इसी तरीके से चोरी की वारदात हुई। लखीसराय के रहने वाले रवि रंजन कुमार ने 24 अक्टूबर की शाम करीब 5:10 बजे अपनी गाड़ी पार्किंग स्थल पर खड़ी की थी। गाड़ी में उनके ड्राइवर बमबम कुमार मौजूद थे। इसी दौरान एक युवक ने ड्राइवर को बताया कि गाड़ी से मोबिल गिर रहा है। बोनट खोलकर जांच करने लगा। तभी बदमाश गाड़ी की बीच वाली सीट पर रखा काले रंग का बैग लेकर भाग निकले। बैग में .32 बोर की पिस्टल, 15 जिंदा कारतूस, पिस्टल का लाइसेंस, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और एटीएम कार्ड थे। ये सामान अब तक नहीं मिलने की जानकारी सामने आई है। इससे पहले शास्त्री नगर इलाके में भी इसी तरीके से चोरी हुई थी। वैशाली के रहने वाले एक डॉक्टर की गाड़ी से बदमाश पिस्टल, 25 हजार रुपए नकद और 35 जिंदा कारतूस से भरा बैग लेकर फरार हो गए थे।

साइक्लोन 'अर्नब' का बिहार में भी दिखेगा असर

एजेंसी, पटना

बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान 'अर्नब' बिहार के मौसम का मिजाज बिगाड़ने वाला है। 28 अक्टूबर से राज्य में बारिश, वज्रपात और तेज हवा का दौर शुरू होने की आशंका है। हालांकि, बिहार में आज मौसम सामान्य बना रहेगा। सुबह-शाम हल्की ठंड रहेगी। दिन में धूप निकलने से गर्मी का एहसास होगा। मौसम विभाग ने 29 अक्टूबर को कई जिलों में भारी और 30 अक्टूबर को पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज में बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। 31 अक्टूबर तक इस मौसम का असर बने रहने के आसार हैं। इस दौरान ठंड बढ़ेगी और अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में 4 डिग्री तक गिरावट आएगी।

बंगाल की खाड़ी के मध्यवर्ती और उससे सटे पश्चिम-मध्य हिस्से में सक्रिय चक्रवाती तूफान 'अर्नब' लगातार आगे बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, 26 अक्टूबर की सुबह यह ओडिशा के गोपालपुर से करीब 580 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से 610 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था।

इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने और 26 अक्टूबर की मध्यरात्रि तक प्रचंड चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। 27 अक्टूबर को इसके अति प्रचंड चक्रवाती तूफान का रूप लेने का अनुमान है। इसके बाद 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश और यनम के तट के पास बापटला और विशाखापत्तनम के बीच टकराने की आशंका है।

हाजीपुर में छात्राओं को बाल अधिकारों पर जागरूक किया, डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी ने सुरक्षित बचपन, शिक्षा और सम्मान के अधिकार बताए

एजेंसी, हाजीपुर

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत हाजीपुर स्थित जीए इंटर विद्यालय में बाल अधिकार एवं संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्राओं को बाल मजदूरी, बाल विवाह, हिंसा, शोषण और भेदभाव से बचाव के साथ-साथ कानूनी एवं मौलिक अधिकारों की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण, शिक्षा, सम्मान और अपनी प्रतिभा विकसित करने का अवसर मिलना चाहिए। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, वैशाली आनंद नंदन सिंह, अवकाश प्राप्त जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश गंगा प्रसाद, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश निशित दयाल, अवर न्यायाधीश-सह-सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार डॉ. प्रमोद कुमार, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड विकास कुमार तथा स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने संयुक्त रूप से किया।

बच्चों के साथ भेदभाव करना गलतः प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद नंदन सिंह ने कहा कि किसी भी बच्चे के साथ भेदभाव करना गलत है। बच्चों को बाल मजदूरी, बाल विवाह, हिंसा और शोषण से बचाना हम सभी का कर्तव्य है। प्रत्येक बच्चे को अपनी बात रखने और अपनी प्रतिभा विकसित करने का अवसर मिलना चाहिए। बच्चों की सुरक्षा केवल

परिवार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज और सरकार की भी समान जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि किसी बच्चे के साथ अन्याय होने पर चुप रहने के बजाय उसकी सहायता के लिए आगे आना चाहिए, ताकि हर बच्चा सुरक्षित रहकर अपने सपनों को पूरा कर सके।

कार्यक्रम में गंगा प्रसाद, निशित दयाल, डॉ. प्रमोद कुमार और विकास कुमार ने बच्चों के कानूनी एवं मौलिक अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध कानूनी संरक्षण एवं विधिक सहायता के महत्व को समझाया। वक्ताओं ने कहा कि बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें शोषण, हिंसा तथा भेदभाव से बचाना अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। इस दिशा में विद्यालयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने बाल विवाह, बाल श्रम, बाल शोषण और हिंसा की रोकथाम के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया। उन्होंने छात्राओं से स्वयं जागरूक बनने और अपने आसपास के बच्चों तथा परिवारों को भी बाल अधिकारों के प्रति जागरूक करने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि संदिग्ध गतिविधि, धमकी, अनुचित संदेश या ऑनलाइन उत्पीड़न की स्थिति में किसी विश्वसनीय वयस्क अथवा संबंधित प्राधिकारी को तुरंत सूचना देनी चाहिए। कार्यक्रम में छात्राओं ने गंभीरता से जानकारी प्राप्त की और इसे अन्य बच्चों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार, वैशाली के तत्वावधान में स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान एवं जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोग से किया गया। आगत अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय की प्राचार्य अंजना सिंह ने किया।

संक्षिप्त समाचार

खड़गे के बयान के विरोध में भाजपा नेता यमुना सीकरीया ने किया प्रदर्शन

बीएनएम @ मोतिहारी। उद्योगपति एवं भाजपा नेता यमुना सीकरीया ने अपने मोदी मिमेंटो संग्रहालय परिसर में मंगलवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान के विरोध में प्रदर्शन का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने खड़गे के बयान पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के बारे में अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस तरह की भाषा कांग्रेस की गिरती राजनीतिक मानसिकता को दर्शाती है। यमुना सीकरीया ने कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद और विरोध स्वाभाविक हैं, लेकिन विरोध की भी अपनी गरिमा और मर्यादा होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल के नेता को सार्वजनिक जीवन में भाषा की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अनावश्यक बयानबाजी कर लोगों को भड़काने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर भी लोकप्रिय नेताओं में शामिल हैं। वे लगातार भारत को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रयासरत हैं। ऐसे में कांग्रेस नेताओं को किसी भी तरह की टिप्पणी करने से पहले उसके शब्दों और प्रभाव पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान अनिल प्रसाद, केशव, सुनील, चंदन, विशाल, प्रशांत, विकास सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सुरक्षित मातृत्व की दिशा में सदर अस्पताल की बड़ी उपलब्धि, छह माह में 5,216 संस्थागत प्रसव

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला सदर अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। अस्पताल द्वारा जारी वित्तीय वर्ष 2025-26 और 2026-27 के तुलनात्मक आंकड़ों के अनुसार, संस्थागत प्रसव के साथ-साथ सिजेरियन प्रसव की संख्या में भी वृद्धि हुई है। इसे जिले में सुरक्षित मातृत्व सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। अस्पताल की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच सदर अस्पताल में कुल 4,789 संस्थागत प्रसव हुए थे। वहीं, अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान यह संख्या बढ़कर 5,216 हो गई। इस प्रकार पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 427 अधिक प्रसव दर्ज किए गए, जो लगभग 8.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। माहवार आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में सर्वाधिक 1,234 संस्थागत प्रसव हुए। इसके अलावा जुलाई में 977 और सितंबर में 963 प्रसव दर्ज किए गए। संस्थागत प्रसव की संख्या में हुई यह वृद्धि अस्पताल में उपलब्ध प्रसूति सेवाओं के उपयोग में बढ़ोतरी को दर्शाती है। जटिल प्रसव की स्थिति में सिजेरियन सेवा की अहम भूमिका होती है। अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से सितंबर 2025 के दौरान कुल 755 सिजेरियन प्रसव हुए थे। वहीं, वर्ष 2026 की इसी अवधि में यह संख्या बढ़कर 793 हो गई। इस तरह सिजेरियन प्रसव की संख्या में 38 की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, अगस्त 2026 में सर्वाधिक 182 सिजेरियन प्रसव किए गए। आंकड़े अस्पताल में प्रसूति एवं शल्य चिकित्सा सेवाओं के उपयोग में वृद्धि को रेखांकित करते हैं। समय पर चिकित्सकीय सहायता और आवश्यकतानुसार सिजेरियन की सुविधा उपलब्ध होना सुरक्षित मातृत्व सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मातृ स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ सदर अस्पताल में परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत भी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान अस्पताल में कुल 433 अंतराल नसबंदी और 149 प्रसवोत्तर नसबंदी की गईं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि अस्पताल में संस्थागत प्रसव, सिजेरियन सेवाओं और परिवार नियोजन से संबंधित सुविधाओं के माध्यम से मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इन सेवाओं की उपलब्धता से महिलाओं को सुरक्षित प्रसव और परिवार नियोजन संबंधी सुविधाएं एक ही स्वास्थ्य संस्थान में प्राप्त करने में मदद मिलती है।

देसी कट्टा व दो जिंदा कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

बंजरिया पुलिस ने ब्रह्मपुरी गांव में की छापेमारी, गुप्त सूचना पर घर से हथियार बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी। बंजरिया थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुरी गांव में पुलिस ने छापेमारी कर एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इस मामले में पुलिस ने गांव निवासी नरेश यादव को गिरफ्तार किया है। वह बदरी यादव का पुत्र है। पुलिस गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ आगे की कार्रवाई में जुटी है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर नरेश यादव के घर पर छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस मिले। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी दल में बंजरिया थाना के पुलिस पदाधिकारी मसरूर आलम, डायल-112 की महिला पुलिसकर्मी राखी कुमारी और तृप्ति रानी तथा सशस्त्र बल के जवान विनोद कुमार शामिल थे।

नशामुक्त बिहार के संकल्प के साथ जिला में एक माह तक चलेगा विशेष जागरूकता अभियान

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना से किया 'नशामुक्त बिहार अभियान' का शुभारंभ, पूर्वी चंपारण के अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से लिया हिस्सा

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को पटना स्थित अधिवेशन भवन से 'नशामुक्त बिहार अभियान' का शुभारंभ किया। इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम से प्रदेश के सभी जिले ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। वहीं, पूर्वी चंपारण जिले में इस अवसर पर नगर के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, एडीएम (पीजीआरओ) शैलेंद्र कुमार भारती सहित जिले के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों तथा ऑनलाइन माध्यम से जुड़े विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से नशामुक्त बिहार के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। शपथ के दौरान प्रतिभागियों ने किसी भी प्रकार के नशीले एवं मादक पदार्थों का सेवन नहीं करने तथा दूसरों को भी इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। साथ ही, परिवार, मित्रों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और संपर्क में आने वाले अन्य लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की प्रतिबद्धता जताई। प्रतिभागियों ने नशीले पदार्थों से संबंधित सरकारी कानूनों एवं नियमों का पालन करने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि जिले में 'नशामुक्त बिहार अभियान' को एक माह तक प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा। इसके तहत समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। शहरी क्षेत्रों से लेकर सुदूर ग्रामीण इलाकों तक, विशेषकर महादलित टोलों में, नशामुक्ति का संदेश पहुंचाया जाएगा। अभियान में युवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जीविका दीदियां घर-घर जाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेंगी और जागरूकता सामग्री वितरित करेंगी। वहीं, स्कूलों एवं कॉलेजों में निबंध, चित्रकला, भाषण, वाद-विवाद और नाटक जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, ताकि बच्चों एवं युवाओं में नशे के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो और वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित हों। त्योहारों के मौसम को ध्यान में रखते हुए छठ घाटों, पंचायतों, कोचिंग संस्थानों और प्रमुख चौराहों पर नुक्कड़ नाटक तथा ऑडियो-विजुअल संदेशों के माध्यम से अभियान का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इन गतिविधियों के जरिए अधिक से अधिक लोगों तक नशे के दुष्प्रभावों और नशामुक्त जीवन के महत्व का संदेश पहुंचाने की योजना है। कार्यक्रम के माध्यम से जिले में नशे के खिलाफ सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही, एक स्वस्थ, जागरूक एवं नशामुक्त पूर्वी चंपारण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

आपदा मित्रों का दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन जागरूकता, पूर्व तैयारी और समय पर उचित कदम उठाकर उनसे होने वाली क्षति को कम किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से जिला आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण केंद्र, पिपराकोठी में आपदा मित्र स्वयंसेवकों के लिए आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण मंगलवार को संपन्न हुआ। सेल्सफोर्स के सहयोग से बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रेन) एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पूर्वी चंपारण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रशिक्षण का विषय 'जीवन रक्षक शिक्षा एवं कार्यक्रम संचालन' था। समापन समारोह में पिपराकोठी के प्रखंड विकास पदाधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि आपदा प्रबंधन की बुनियादी जानकारी और जागरूकता से जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने आपदा से पहले तैयारी, उसके दौरान सावधानी और बाद में उचित प्रबंधन को आवश्यक बताया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अफरोज आलम ने विद्यालयों को आपदा जागरूकता का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कहा कि बच्चे सुरक्षा संबंधी जानकारी अपने परिवार और समाज तक पहुंचा सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों को प्राथमिक उपचार, सीपीआर, खोज-बचाव, अग्नि सुरक्षा, सुरक्षित निकासी, आश्रय प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जिला सहायक अग्निशमन पदाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने अग्नि सुरक्षा पर मॉक ड्रिल कराई। वहीं, एसडीआरएफ टीम लीडर कृष्णा कुमार के नेतृत्व में प्रशिक्षकों ने भूकंप, बाढ़ और सर्पदंश जैसी आपदाओं से बचाव के उपाय बताए तथा खोज-बचाव का अभ्यास कराया। वहीं, कार्यक्रम का संचालन बाल रक्षा भारत के हामिद रजा एवं सत्य प्रकाश ने किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आपदा मित्रों को सक्षम बनाकर समुदाय में जागरूकता, जोखिम न्यूनीकरण और त्वरित राहत कार्यों को मजबूत करना था।

वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत कांग्रेस का आह्वान, 1 नवंबर को दिल्ली पहुंचने की अपील

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से मंगलवार को गांधी आश्रम, बंजरिया पंडाल, मोतिहारी में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत प्रेस वार्ता आयोजित की गई। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजीनियर शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय की अध्यक्षता और मदन प्रसाद कुशवाहा के संचालन में आयोजित प्रेस वार्ता को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की जिला पर्यवेक्षक इशिता सेढ़ा ने संबोधित किया। इशिता सेढ़ा ने आरोप लगाया कि वोट चोरी का मुद्दा गंभीर चिंता का विषय बन गया है, जिससे चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद हैं और नागरिकों के मताधिकार के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया स्थगित करने, मतदाता सूची से हटाए गए 13 करोड़ नामों को बहाल करने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग उठाई। साथ ही, उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंजीनियर शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जन-जागरण और जनता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाए। गप्पू राय ने कहा कि मताधिकार नागरिकों का महत्वपूर्ण अधिकार है और इसकी रक्षा के लिए सभी को आगे आना चाहिए। उन्होंने लोगों से दिल्ली पहुंचकर 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान को मजबूती देने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है।

रामबाबू प्रसाद ज्वैलर्स एंड कंपनी का भव्य शुभारंभ, 46 वर्षों की विरासत को मिला नया विस्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के न्यू सोनार पट्टी रोड स्थित तेलियापट्टी चौक पर सोमवार को रामबाबू प्रसाद ज्वैलर्स एंड कंपनी का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों, व्यवसायियों और शहर के प्रबुद्ध नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतिष्ठान के संचालक रामबाबू प्रसाद एवं उनकी पत्नी आशा देवी के साथ उनके तीनों पुत्र मुकेश, विकास और समाजसेवी धीरज सर्राफ ने संयुक्त रूप से इस नए प्रतिष्ठान के शुभारंभ में सहभागिता की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, विधायक कृष्णनंदन पासवान, विधायक प्रमोद कुमार, मेयर प्रीति कुमारी, उपमेयर डॉ. लालबाबू प्रसाद, सदर डीएसपी दिलीप कुमार सिंह, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता तथा बिहार प्रदेश के वैश्य नेता संजय जायसवाल सहित अनेक प्रमुख लोग उपस्थित रहे। उक्त समारोह में मुखिया प्रकाश सिंह उर्फ काका, पैक्स अध्यक्ष राजकिशोर सिंह, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष मोहिबुल हक, प्रदेश जदयू नेता अमरेंद्र कुमार सिंह, वार्ड पार्षद संजू निषाद, जदयू अध्यक्ष भरत पटेल, चिकित्सक डॉ. हिना चंद्र, शरद हेमंत मिश्रा, डॉ. मानेशा सिंह, भाजपा नेता सुधांशु रंजन, अखिलेश, पंकज, प्रदीप सर्राफ, लड्डू सिंह बनिहार सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों के अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य प्रतिनिधि भी समारोह में शामिल हुए। गौरतलब हो कि रामबाबू प्रसाद की स्वर्ण व्यवसाय की यात्रा वर्ष 1980 में एक छोटे से व्यवसाय के रूप में शुरू हुई थी। निरंतर मेहनत, ईमानदारी और ग्राहकों के विश्वास के बल पर उन्होंने अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया। पिछले 46 वर्षों से सोनार पट्टी स्थित रामबाबू प्रसाद मुकेश कुमार ज्वेलर्स ग्राहकों के स्नेह, आशीर्वाद और सहयोग के साथ अपनी सेवाएं दे रहा है। इसी व्यावसायिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए परिवार ने अब न्यू सोनार पट्टी रोड, तेलियापट्टी चौक पर अपने दूसरे प्रतिष्ठान रामबाबू प्रसाद ज्वैलर्स एंड कंपनी की शुरुआत की है। नए प्रतिष्ठान का शुभारंभ परिवार की वर्षों की मेहनत, ग्राहकों के भरोसे और व्यवसाय के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उद्घाटन समारोह में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों की सहभागिता ने आयोजन को विशेष बना दिया। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों, व्यवसायियों और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों के आगमन से प्रतिष्ठान परिसर में उत्सवी माहौल रहा। इस अवसर पर रामबाबू प्रसाद एवं उनके परिवार ने सभी आगंतुकों, शुभचिंतकों और ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त किया। परिवार ने अपने व्यवसाय की इस नई शुरुआत को ग्राहकों के निरंतर सहयोग और विश्वास का परिणाम बताया। नया प्रतिष्ठान मोतिहारी में आभूषण व्यवसाय के क्षेत्र में परिवार की वर्षों पुरानी परंपरा और अनुभव को आगे बढ़ाने की एक नई पहल है।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए व्यक्तित्व विकास एवं टीम निर्माण पर कार्यशाला आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला सदर अस्पताल में 'गुणवत्ता मिशन' के तहत चिकित्सा पदाधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की कार्यक्षमता, नेतृत्व कौशल और टीम भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। 'स्वयं में बदलाव से व्यवस्था में बदलाव' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में 58 स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित कार्यशाला की संयुक्त अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. शरत चंद्र शर्मा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक ठाकुर विश्वमोहन प्रसाद ने की। पिरामल स्वास्थ्य के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में आत्म-प्रबंधन, प्रभावी संवाद, नेतृत्व क्षमता और सामूहिक कार्यकुशलता पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए ध्यान एवं टावर निर्माण जैसी व्यावहारिक गतिविधियां कराई गईं। कार्यशाला में इस बात पर जोर दिया गया कि व्यक्तिगत व्यवहार में सकारात्मक बदलाव, बेहतर समन्वय और टीम भावना से ही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार संभव है।

रक्सौल से पाकिस्तानी एजेंट नेटवर्क का खुलासा, दो गिरफ्तार

» भारतीय नंबरों पर व्हाट्सएप अकाउंट बनाने के लिए भेजे जा रहे थे ओटीपी, दो मोबाइल बरामद; आंध्र प्रदेश पुलिस के इनपुट पर कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी

भारतीय मोबाइल नंबरों पर व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर उनका इस्तेमाल कथित तौर पर भारत विरोधी गतिविधियों में करने की साजिश का रक्सौल में खुलासा हुआ है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, इन मोबाइल नंबरों के ओटीपी पाकिस्तानी एजेंट को उपलब्ध कराए जा रहे थे। इसके बदले संबंधित लोगों को मोटी रकम दिए जाने की बात भी सामने आई है। मामले की जांच आंध्र प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 25 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा पुलिस से रक्सौल थाने को इस नेटवर्क के संबंध में सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया था कि रक्सौल बाजार के कुछ लोग भारतीय मोबाइल नंबरों पर व्हाट्सएप अकाउंट बनाने के लिए ओटीपी पाकिस्तानी एजेंट को भेज रहे हैं। इसके बदले उन्हें पैसे दिए जा रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने रक्सौल थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो मोबाइल बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, मोबाइल की जांच में पाकिस्तानी एजेंट को उपलब्ध कराए गए ओटीपी से संबंधित डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नेपाल सीमा से जुड़े नेटवर्क की भी जांच-गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रक्सौल थाना क्षेत्र के नागा रोड निवासी आदित्य पांडेय, पिता बलिराम पांडेय, और मधुबनी जिले के हरलाखी थाना क्षेत्र निवासी राजा कुमार, पिता सुरेश साह, के रूप में हुई है। राजा कुमार फिलहाल मोतिहारी के छतौनी थाना क्षेत्र के नौनीडीह में रह रहा था। इस कार्रवाई में रक्सौल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष कुमार आनंद समेत रक्सौल थाना पुलिस और विजयवाड़ा पुलिस की टीम शामिल रही। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क से और कौन लोग जुड़े हैं, कितने मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल किया गया और आरोपितों को रकम कहां से मिल रही थी।

जांच के बाद ही सामने आएगी पूरी तस्वीर-मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस डिजिटल साक्ष्यों और वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है। हालांकि, नेटवर्क के विस्तार, कथित भारत विरोधी गतिविधियों में मोबाइल खातों के वास्तविक इस्तेमाल और अन्य लोगों की संलिप्तता को लेकर जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप का भव्य समापन, ब्रावो क्लब, रामगढ़वा और नुनिया क्लब ने लहराया जीत का परचम

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन, पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय जिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2026-27 का भव्य समापन हो गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों की टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। रोमांचक मुकाबलों के बाद तीनों आयु वर्गों के विजेता और उपविजेता टीमों की घोषणा की गई। प्रतियोगिता के अंडर-14 वर्ग में ब्रावो क्लब ने विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि पताही क्लब उपविजेता रहा। वहीं, अंडर-17 वर्ग में रामगढ़वा क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, जबकि ब्रावो एसोसिएशन क्लब उपविजेता रहा। सीनियर वर्ग में नुनिया क्लब ने जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया, जबकि एथलेटिक्स क्लब को उपविजेता स्थान से संतोष करना पड़ा।समापन समारोह में सब-इंस्पेक्टर मनीष कुमार एवं रवि कुमार, वॉलीबॉल संघ के सचिव सचिन कुमार, बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव कुमार दीपक सिंह कश्यप, वॉलीबॉल संघ के कोषाध्यक्ष अंगद पाण्डेय, आयोजन समिति के सचिव अभिषेक कुमार तथा संयोजक रणधीर सिंह उपस्थित रहे। इसके अलावा ग्रैपलिंग कुश्ती संघ के सचिव अरुण सिंह, तलवारबाजी संघ के सचिव शुभम सिंह, टेबल टेनिस संघ के सचिव शैलेन्द्र मिश्रा बाबा, समाजसेवी अर्पित श्रीवास्तव और सेंट्रल बैंक के शाखा प्रबंधक सुशील कुमार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस तरह के आयोजन स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भविष्य में उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं। जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन ने सभी विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई दी। साथ ही प्रतियोगिता के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले खिलाड़ियों, आयोजन समिति के सदस्यों, खेल पदाधिकारियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। चैंपियनशिप ने जिले में वॉलीबॉल के प्रति खिलाड़ियों के उत्साह और खेल भावना को एक नई ऊर्जा प्रदान की।

संक्षिप्त समाचार

बच्चों की सुरक्षा को लेकर डीएम सख्त मुस्तफापुर स्कूल पहुंची आरबीएसके टीम

बीएनएम @ हाजीपुर। मुस्तफापुर राजकीय प्राथमिक विद्यालय में एक बच्ची के बार-बार बेहोश होने और दूसरी बच्ची की मस्तिष्क में गांठ के कारण मौत की घटना के बाद जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की मेडिकल टीम ने विद्यालय पहुंचकर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान बीपी, हीमोग्लोबिन और गंभीर बीमारियों की स्क्रीनिंग की गई। विद्यालय की शिक्षिका ने डीएम को आवेदन देकर बताया था कि एक बच्ची बार-बार बेहोश हो जाती है और गिरने से उसके सिर में चोट भी लगी है। वहीं, 12 अक्टूबर को कक्षा एक की एक बच्ची की मस्तिष्क में गांठ के कारण मौत हो गई थी। शिक्षिका ने पोषक क्षेत्र के बच्चों की स्वास्थ्य जांच और जरूरतमंद बच्चों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की मांग की थी। आवेदन के अनुसार, बीमार बच्ची का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। शिक्षकों ने आपसी सहयोग से उसके इलाज की शुरुआत कराने में मदद की है। आगे के उपचार के लिए अतिरिक्त सहायता की जरूरत है। डीएम के निर्देश पर हुई स्वास्थ्य जांच को बच्चों की बीमारियों की समय रहते पहचान और उचित इलाज सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

आपसी विवाद में मारपीट, छह घायल, चार गिरफ्तार

दोनों पक्षों ने दर्ज कराई प्राथमिकी, गंभीर रूप से घायल महिला सदर अस्पताल में भर्ती

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र के जोलगांवा गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट में दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए। घायलों में पन्ना देवी के माथे पर गंभीर चोट लगी है। उन्हें इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के चार आरोपितों को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। घायलों में एक पक्ष की मंजू देवी, रविन्द्र राय और पन्ना देवी शामिल हैं। वहीं, दूसरे पक्ष के कपिलदेव राय, लालमुनी देवी और रम्भा देवी भी जख्मी हुए हैं। घटना के बाद दोनों पक्षों ने तुरकौलिया थाने में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई है। दोनों मामलों में कई लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मंजू देवी, रुपेश राय, कपिलदेव राय और उनकी पत्नी लालमती देवी को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। अन्य नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

बेतिया में लावारिस हालत में मिला मासूम

बीएनएम @ बेतिया, पश्चिम चंपारण। नगर थाना क्षेत्र के एमजेके कॉलेज के समीप करीब दो से ढाई वर्ष का एक मासूम बच्चा अकेले रोता हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने बच्चे को अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद नगर थाना पुलिस ने बच्चे को अपने संरक्षण में लेकर उसके परिजनों की तलाश शुरू कर दी। कम उम्र होने के कारण बच्चा अपना नाम और घर का पता नहीं बता पा रहा है। पुलिस ने आसपास के इलाकों में पूछताछ कर परिजनों का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन तत्काल कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। बच्चे की पहचान और उसके परिवार तक पहुंचने के लिए पुलिस ने उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है। नगर थाना पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि कोई बच्चे को पहचानता है या उसके परिवार के संबंध में जानकारी रखता है, तो पुलिस को सूचित करे, ताकि मासूम को जल्द से जल्द उसके परिजनों से मिलाया जा सके। फिलहाल बच्चा पुलिस के संरक्षण में है और उसके परिवार की तलाश जारी है।

गौनाहा में शराब मामले में तीन गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया, पश्चिम चंपारण। गौनाहा थाना क्षेत्र में शराब से जुड़े अलग-अलग मामलों में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मांगूराहा निवासी शीतल महतो के पुत्र छठु महतो और किशोरी यादव के पुत्र राजकुमार को कथित तौर पर शराब के नशे में पकड़ा गया। वहीं, सहोदरा थाना क्षेत्र के भवानीपुर निवासी प्रकाश मांझी के पुत्र मुकेश कुमार पर शराब के नशे में गौनाहा थाना के पुलिसकर्मी अमरीश राम की मोटरसाइकिल में टक्कर मारने का आरोप है। इस घटना में पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गौनाहा थानाध्यक्ष शम्भू शरण गुप्ता ने बताया कि शराब पीने और शराब के अवैध कारोबार से जुड़े मामलों में पुलिस का अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में पकड़े जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्वयंसेवकों ने मनाया शरद पूर्णिमा उत्सव

बीएनएम @ बगहा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने बगहा के मारवाड़ी अतिथि भवन मैदान और बगहा-2 अनुमंडल कार्यालय परिसर में शरद पूर्णिमा उत्सव हर्षोल्लास से मनाया। कार्यक्रम में योग, व्यायाम, प्राणायाम और खेल का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद खीर का प्रसाद वितरित किया गया। मारवाड़ी अतिथि भवन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संघचालक जटाशंकर ने की, जबकि संजय तिवारी ने शरद पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला। बगहा-2 में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कार्यवाह सतीश ने की और राजेंद्र पाठक ने संबोधित किया। आयोजन को सफल बनाने में प्रवीण, उमेश अग्रवाल, जितेंद्र कुमार, संतोष सोनी सहित अन्य स्वयंसेवकों की भूमिका रही।

दोन क्षेत्र में लगेंगे पांच बीएसएनएल टावर

बीएनएम @ पश्चिम चंपारण। रामनगर विधानसभा क्षेत्र के दुर्गम दोन इलाके में संचार व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में पहल हुई है। क्षेत्र में पांच बीएसएनएल मोबाइल टावरों को सैद्धांतिक मंजूरी मिली है। इनमें नौरंगिया पंचायत के ढोकनी गांव में एक टावर के निर्माण के लिए कार्यादेश जारी कर दिया गया है, जबकि शेष चार टावरों के कार्यादेश आगामी महीनों में जारी होने की उम्मीद है।

पोस्टर और प्रभात फेरी से बच्चों ने दिया समान अवसर का संदेश

मॉडल स्कूल में डिस्लेक्सिया पर जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों ने बताए लक्षण और बचाव के उपाय

बीएनएम @ तुरकौलिया

हर बच्चा सीखने की अलग क्षमता रखता है। पढ़ने-लिखने में कठिनाई का मतलब प्रतिभा की कमी नहीं है। इसी संदेश के साथ बुधवार को तुरकौलिया स्थित सरस्वती विद्या निकेतन (मॉडल स्कूल), श्री राजा राम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में डिस्लेक्सिया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने पोस्टर और चार्ट के जरिए पठन अक्षमता के लक्षणों को प्रदर्शित किया। इसके बाद प्रभात फेरी निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कुमारी अरुणा ने कहा कि डिस्लेक्सिया से प्रभावित बच्चों को पढ़ने-लिखने में कठिनाई हो सकती है, लेकिन वे प्रतिभा और क्षमता में दूसरे बच्चों से कम नहीं होते। ऐसे बच्चों को समझने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए उचित सहयोग और प्रोत्साहन देना जरूरी है। प्रखंड साधनसेवी पुष्पेंद्र कुमार ओझा और शिक्षिका स्वास्तिका राज निधि ने भी बच्चों की व्यक्तिगत क्षमताओं को पहचानने और उन्हें समान अवसर देने पर जोर दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पोस्टर और चार्ट के माध्यम से डिस्लेक्सिया के लक्षण, कारण और इससे निपटने के उपायों की जानकारी दी। जागरूकता प्रभात फेरी के जरिए आम लोगों तक भी समानता और संवेदनशीलता का संदेश पहुंचाया गया। कार्यक्रम में खुशी, मुस्कान, पल्लवी, अनुष्का, संजना, इफ्फा, ओमप्रीत और आर्यन समेत कई विद्यार्थियों ने भाग लिया। मौके पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ सैकड़ों छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पेड़ से लटका शव मिलने स इलाके में सनसनी

बीएनएम @ गौनाहा, पश्चिम चंपारण

गौनाहा प्रखंड के बेलवा बहुअरी गांव में मंगलवार सुबह 35 वर्षीय अखिलेश मांझी का शव हड़बोड़ा नदी के किनारे सरेह में एक शीशम के पेड़ से लटका मिला। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। मृतक की पत्नी अंजोरी देवी के अनुसार, सोमवार रात अखिलेश ने परिवार के साथ मछली-भात खाया था। इसके बाद जैकेट पहनकर घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, इसी बीच मंगलवार सुबह शव मिलने की सूचना मिली। बताया गया कि अखिलेश मानसिक रूप से बीमार थे। परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर है और उनकी पत्नी मजदूरी कर घर का भरण-पोषण करती हैं। अखिलेश की मौत से उनकी पांच वर्षीय बेटी और दो वर्षीय बेटे के सिर से पिता का साया उठ गया है। घटना की सूचना मिलने पर गौनाहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। घटना से परिवार में मातम पसरा है।

रवि महाअभियान से खेती को नई दिशा किसानों को आधुनिक तकनीक की जानकारी

बीएनएम @ रामगढ़वा

प्रखंड परिसर स्थित कृषि कार्यालय सभागार में मंगलवार को रवि महाअभियान का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता सीओ अमित कुमार, प्रखंड किसान सलाहकार समिति के अध्यक्ष मेराज आलम और उप प्रमुख अरविंद पांडेय ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को रबी फसलों की उन्नत खेती और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। प्रखंड कृषि पदाधिकारी पारसनाथ काजी ने कृषि विभाग की योजनाओं पर चर्चा करते हुए किसानों से लाभ उठाने की अपील की। किसान सलाहकार समिति के अध्यक्ष ने जैविक खेती अपनाने के फायदे बताए। सीओ अमित कुमार ने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया और उसके महत्व के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को मिट्टी जांच, आत्मा योजना, कृषि प्रशिक्षण, परिभ्रमण, किसान समूह गठन और किसान चौपाल के लाभों के बारे में बताया गया। मौके पर बीसीओ रामनारायण साह, बीटीएम विनेश कुमार, सांसद प्रतिनिधि पुष्पेंद्र तिवारी, जिला पार्षद प्रतिनिधि मो. कमरुद्दीन सहित बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

खेत बचाओ अभियान के तहत परसौना तपसी में कृषि जनकल्याण चौपाल का आयोजन

बीएनएम @ रामगढ़वा

खेतों की उर्वरा शक्ति बचाने और कृषि भूमि के संरक्षण के उद्देश्य से खेत बचाओ अभियान 2026 के तहत पलनवा थाना क्षेत्र के परसौना तपसी पंचायत में कृषि जनकल्याण चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने, उर्वरकों के संतुलित उपयोग, कृषि भूमि को बंजर होने से बचाने और आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने के बारे में जागरूक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि कृषि भूमि का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा विषय है। कार्यक्रम में रक्सौल कृषि विभाग के एटीएम दिनेश दुबे, धर्मेंद्र उपाध्याय, कृषि समन्वयक अवधेश ठाकुर, किसान सलाहकार रमेश बैठा सहित सर्वदेव यादव, बाबूनंदन सिंह, चंदेश्वर सिंह, केशव सिंह, बिगन यादव, सुभाष यादव, उतिम यादव, चंद्रिका पासवान, शेषनाथ पासवान, राकेश रंजन यादव, दिनेश सिंह, मुन्ना यादव, ध्रुव साह सहित दर्जनों किसान शामिल हुए।

हृदय रोग से पीड़ित 12 और कटे होंठ-तालु व टंग टाई की समस्या से ग्रसित 12 बच्चों का होगा विशेषज्ञों की देखरेख में इलाज

बीएनएम @ वैशाली

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत वैशाली के 24 बच्चों को बेहतर इलाज और सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पटना भेजा गया है। इनमें 12 बच्चे हृदय रोग से पीड़ित हैं, जबकि अन्य 12 बच्चे कटे होंठ, कटे तालु और टंग टाई की समस्या से ग्रसित हैं। जिला स्वास्थ्य समिति की इस पहल का उद्देश्य जन्मजात बीमारियों से पीड़ित बच्चों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ने का अवसर देना है। हृदय रोग से पीड़ित 12 बच्चों को 27 अक्टूबर को चार एंबुलेंस के माध्यम से इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान (आईजीआईसी), पटना भेजा गया। यहां बच्चों की प्रारंभिक जांच के साथ इको (ईसीएचओ) परीक्षण किया जाएगा। जांच में बीमारी की पुष्टि होने और चिकित्सकीय आकलन के बाद बच्चों की निःशुल्क सर्जरी आईजीआईसी, पटना, श्री सत्य साईं हृदय अस्पताल, अहमदाबाद सहित अन्य चिह्नित अस्पतालों में कराई जाएगी। वहीं, कटे होंठ, कटे तालु और टंग टाई की समस्या से पीड़ित 12 बच्चों को 26 अक्टूबर को तीन एंबुलेंस के माध्यम से मेडिवर्सल मातृ हॉस्पिटल, पटना भेजा गया। दो से 14 अक्टूबर तक संचालित विशेष अभियान के अगले चरण में भेजे गए इन बच्चों में पांच को सर्जरी के लिए, जबकि सात को फॉलोअप और आगामी सर्जरी की तैयारी के लिए पटना ले जाया गया। इस अभियान के तहत अब तक चार बच्चों का ऑपरेशन कराया जा चुका है। बच्चों के इलाज और अस्पताल के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए फार्मासिस्ट राजीव कुमार को तैनात किया गया है। इस पूरी पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों में जन्मजात बीमारियों की समय रहते पहचान करना और उन्हें आवश्यक जांच, विशेषज्ञ परामर्श तथा निःशुल्क सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके लिए जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से बच्चों को संबंधित अस्पतालों तक पहुंचाने और इलाज की प्रक्रिया में समन्वय स्थापित करने की व्यवस्था की गई है। इस अभियान में जिला समन्वयक (डीसी-आरबीएसके) डॉ. शाहिस्ता और आरबीएसके के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कुमार सौरभ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 26 अक्टूबर को बच्चों को पटना रवाना किए जाने के दौरान जिला पदाधिकारी एवं कार्यपालक पदाधिकारी ऋतु राज भी उपस्थित रहे। आरबीएसके के माध्यम से उठाया गया यह कदम जन्मजात बीमारियों से जूझ रहे बच्चों और उनके परिवारों के लिए राहत की उम्मीद लेकर आया है। समय पर जांच और बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलने से बच्चों को स्वस्थ भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

कायाकल्प योजना को लेकर पीओ ने दिए निर्देश

बीएनएम @ बगहा

प्रखंड बगहा-एक स्थित मनरेगा कार्यालय में कार्यक्रम पदाधिकारी आलोक कुमार रंजन ने पंचायत रोजगार सेवकों के साथ बैठक कर कायाकल्प योजना की समीक्षा की। बैठक में योजना के तहत पंचायतों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न कार्यों के चयन पर चर्चा की गई। पीओ ने सभी पंचायत रोजगार सेवकों को निर्देश दिया कि विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायत सरकार भवनों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों के कायाकल्प के लिए आवश्यक योजनाओं का चयन किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने सभी पंचायत रोजगार सेवकों को जल्द से जल्द चयनित योजनाओं की सूची तैयार कर प्रखंड कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया। बैठक में पंचायत रोजगार सेवक उपस्थित रहे।

पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों से रूबरू हुए विद्यार्थी

» बाल हेल्पलाइन नंबर 1098 की दी गई जानकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

बच्चों को लैंगिक शोषण से बचाने, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को चाइल्ड हेल्पलाइन की ओर से शहर के छतौनी स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को बाल संरक्षण एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम) के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान अभिषेक कुमार ने विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के तहत बच्चों को प्राप्त कानूनी संरक्षण, उनके अधिकारों, सुरक्षा और सम्मान के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बच्चों को किसी भी प्रकार के लैंगिक शोषण से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए जागरूक और सतर्क रहने की अपील की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अच्छे और बुरे स्पर्श की पहचान करने, किसी भी अनुचित व्यवहार के प्रति सतर्क रहने तथा भय या दबाव में आए बिना अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों को बताया गया कि यदि उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है या वे किसी असुरक्षित परिस्थिति का सामना करते हैं, तो इसकी जानकारी तत्काल अपने माता-पिता, अभिभावक, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति को दें। उन्हें यह भी समझाया गया कि शोषण या उत्पीड़न से जुड़ी किसी घटना को छिपाना अथवा नजरअंदाज करना उचित नहीं है। ऐसी स्थिति में समय रहते संबंधित अधिकारियों तक सूचना पहुंचाना आवश्यक है, ताकि बच्चों को उचित सहायता और संरक्षण मिल सके। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बाल हेल्पलाइन नंबर 1098 की उपयोगिता और कार्यप्रणाली के बारे में भी बताया गया। उन्हें जानकारी दी गई कि संकट, असुरक्षा या किसी परेशानी की स्थिति में सहायता प्राप्त करने के लिए बाल हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, लैंगिक शोषण की रोकथाम को बढ़ावा देना तथा विद्यालय और समाज में बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण के निर्माण की दिशा में जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि अपने अधिकारों को समझना, असुरक्षित परिस्थितियों को पहचानना और जरूरत पड़ने पर मदद मांगना उनकी सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

सेमरा स्टेशन के पास 4.95 लाख के जाली नोट बरामद, एक गिरफ्तार

बाइक सवार दो युवकों को रोकने पर एक फरार, दूसरी बार जाली नोटों की डिलीवरी देने जा रहा था आरोपित

बीएनएम @ मोतिहारी/तुरकौलिया

तुरकौलिया थाना क्षेत्र के सेमरा स्टेशन के समीप पुलिस ने वाहन जांच के दौरान 4.95 लाख रुपये के भारतीय जाली नोट बरामद किए हैं। मौके से एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका साथी फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान बंजरिया थाना क्षेत्र के जनेरवा गांव निवासी शेख अयनुल के रूप में हुई है। पुलिस को आशंका है कि जाली नोटों के इस कारोबार के तार किसी बड़े गिरोह से जुड़े हो सकते हैं। मंगलवार को सदर एसडीपीओ दिलीप कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस को जाली नोटों की हेराफेरी की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर सेमरा स्टेशन के समीप वाहन जांच शुरू की गई। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक तेज गति से आते दिखे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो एक युवक फरार हो गया, जबकि दूसरे को पकड़ लिया गया। तलाशी में उसके पास से जाली नोटों के 10 बंडल मिले, जिनकी कुल कीमत 4 लाख 95 हजार रुपये बताई गई है।

दूसरी बार डिलीवरी देने जा रहा था आरोपित-एसडीपीओ के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित दूसरी बार जाली नोटों की डिलीवरी देने जा रहा था। पूछताछ में उसने फरार साथी के संबंध में जानकारी दी है। पुलिस के मुताबिक, फरार आरोपित जाली नोटों के कारोबार में सक्रिय बताया जा रहा है। उसके उत्तर प्रदेश में भी नकली करेंसी से जुड़े एक मामले में जेल जाने की जानकारी मिली है।

नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस-जाली नोटों की इतनी बड़ी खेप बरामद होने के बाद पुलिस इनके स्रोत और आपूर्ति नेटवर्क की जांच कर रही है। फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। साथ ही इस कारोबार में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्रवाई में सदर एसडीपीओ दिलीप कुमार सिंह, तुरकौलिया थानाध्यक्ष रंजीत कुमार, पुलिस पदाधिकारी, जिला आसूचना इकाई की टीम और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

घर में तुलसी का पौधा किस दिशा में लगाना चाहिए?

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद पवित्र और पूजनीय माना जाता है। मान्यता है कि जिस घर में तुलसी का पौधा होता है, वहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। यही वजह है कि भारतीय घरों में तुलसी की पूजा करने और उसकी नियमित देखभाल करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। वास्तु शास्त्र में भी तुलसी के पौधे को विशेष महत्व दिया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि घर में तुलसी का पौधा किस दिशा में लगाना चाहिए और इसे लगाने के लिए कौन-सी जगह सबसे अच्छी मानी जाती है? वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में तुलसी का पौधा लगाने के लिए उत्तर, पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा को शुभ माना जाता है। उत्तर दिशा को धन और समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है, जबकि पूर्व दिशा सूर्य की रोशनी और नई ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है। उत्तर-पूर्व दिशा, जिसे ईशान कोण भी कहा जाता है, पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए विशेष मानी जाती है। यदि आपके घर में खुला आंगन है, तो वहां तुलसी का पौधा लगाया जा सकता है। इसके अलावा बालकनी या ऐसी जगह पर भी तुलसी रखी जा सकती है, जहां पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी आती हो। हालांकि, वास्तु संबंधी ये मान्यताएं पारंपरिक विश्वासों पर आधारित हैं। इनसे आर्थिक लाभ या जीवन में सुख-समृद्धि सुनिश्चित होने का वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। वास्तु की मान्यताओं के अनुसार, तुलसी का पौधा साफ-सुथरी और व्यवस्थित जगह पर रखना चाहिए। इसके आसपास अनावश्यक सामान, कचरा या गंदगी जमा नहीं होने देनी चाहिए। तुलसी के गमले को ऐसी जगह रखें, जहां पौधे को पर्याप्त धूप और हवा मिल सके। तुलसी के पौधे को घर के किसी ऐसे कोने में रखने से बचें, जहां बिल्कुल रोशनी न आती हो। पौधे की अच्छी वृद्धि के लिए पर्याप्त प्राकृतिक प्रकाश जरूरी है। यदि आप इसे बालकनी में रखते हैं, तो मौसम और धूप की तीव्रता के अनुसार इसकी जगह का चुनाव करें। तुलसी के पौधे को स्वस्थ रखने के लिए नियमित रूप से उसकी मिट्टी की नमी जांचें। जरूरत के अनुसार पानी दें, लेकिन गमले में पानी जमा न होने दें। इसके लिए ऐसे गमले का इस्तेमाल करें, जिसमें अतिरिक्त पानी निकलने की व्यवस्था हो। सूखी पत्तियों और खराब टहनियों को समय-समय पर हटा दें। तुलसी को सामान्यतः पर्याप्त रोशनी पसंद होती है, लेकिन बहुत तेज गर्मी में पौधे को होने वाले नुकसान पर भी ध्यान देना चाहिए। सर्दियों में ठंड और पाले से इसकी रक्षा करें। पौधे की अच्छी देखभाल करने से वह लंबे समय तक हरा-भरा रह सकता है। हिंदू परंपरा में सुबह और शाम तुलसी के पास दीपक जलाने तथा पूजा करने की प्रथा प्रचलित है। कई परिवार इसे घर में शांति और सकारात्मकता बनाए रखने का प्रतीक मानते हैं।

सबके हिस्से की फिक्र, अपने हिस्से की खामोशी

निमिषा सिंह

(घरेलू जिम्मेदारियों, सामाजिक अपेक्षाओं और अनकही भावनाओं के बीच महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य का सवाल)

एक स्त्री की जिंदगी में अक्सर सबके लिए जगह होती है बस कई बार वह खुद ही अपने हिस्से से बाहर रह जाती है। घर की जरूरतें हों, बच्चों की परवरिश, परिवार की चिंता या नौकरी की जिम्मेदारियां। वह सबके बीच तालमेल बिठाती रहती है। दिन गुजर जाता है। जिम्मेदारियां खत्म नहीं होतीं। अपने लिए कुछ पल निकालने की बारी आती है, तो अक्सर समय कम पड़ जाता है। हम उसकी इस आदत को समर्पण कहते हैं, उसकी सहनशीलता को उसकी ताकत। लेकिन क्या कभी यह जानने की कोशिश करते हैं कि इस सबके बीच वह खुद किस मनःस्थिति से गुजर रही है? जो स्त्री सबको संभालने में लगीहै, उसे संभालने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा करते समय इस सवाल से बचा नहीं जा सकता। मानसिक स्वास्थ्य केवल बीमारी का नाम नहीं है। इसका संबंध व्यक्ति की भावनात्मक स्थिति, उसके सामाजिक परिवेश और रोजमर्रा के अनुभवों से भी है। इसलिए महिलाओं की मानसिक परेशानियों को केवल उनकी व्यक्तिगत कमजोरी, संवेदनशीलता या परिस्थितियों से समझ लेना पर्याप्त नहीं होगा। यह भी देखना होगा कि समाज उनसे क्या अपेक्षा करता है और उन अपेक्षाओं को पूरा करने की कीमत वे किस रूप में चुकाती हैं। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015-16 के अनुसार, भारत में वयस्कों के बीच मानसिक विकारों की वर्तमान व्यापकता लगभग 10.6 प्रतिशत थी। सर्वेक्षण में अवसाद संबंधी विकारों की व्यापकता महिलाओं में 3 प्रतिशत और पुरुषों में 2.4 प्रतिशत दर्ज की गई थी। ये पुराने आंकड़े हैं और इन्हें वर्तमान स्थिति का सीधा अनुमान नहीं माना जा सकता। फिर भी, ये मानसिक स्वास्थ्य के सवाल को गंभीरता से लेने की जरूरत बताते हैं। लेकिन आंकड़ों से आगे बढ़कर भी कुछ सवाल हैं। क्या हम मानसिक परेशानी को समय रहते पहचान पाते हैं? क्या परिवार में महिलाओं को अपनी तकलीफ बताने का अवसर मिलता है? और क्या उनकी परेशानी को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता है, जितनी परिवार के दूसरे सदस्यों की? वह परिवार के किसी सदस्य की परेशानी समझती है, बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखती है और घर की व्यवस्था संभालती है। इन सबके बीच अपनी भावनाओं को पीछे रखना उसकी आदत बन सकती है। धीरे-धीरे दूसरों की जरूरतें प्राथमिकता बन जाती हैं और उसकी अपनी जरूरतें इंतजार करती रहती हैं। समस्या यह नहीं कि महिलाएं जिम्मेदारियां निभाती हैं। समस्या तब पैदा होती है, जब उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे ऐसा करते हुए कभी थकेंगी नहीं।

महिलाओं की मानसिक थकान को समझने के लिए घरेलू श्रम के बंटवारे पर नजर डालना जरूरी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के समय उपयोग सर्वेक्षण-2024 के अनुसार, 15 से 59 वर्ष की आयु वाली घरेलू कामों में भाग लेने वाली महिलाओं ने इन गतिविधियों में प्रतिदिन औसतन लगभग पांच घंटे लगाए। पुरुषों के लिए यह समय करीब डेढ़ घंटे से भी कम था। ये आंकड़े अपने आप में मानसिक परेशानी का प्रमाण नहीं हैं। लेकिन वे उस असमानता को जरूर सामने रखते हैं, जिसकी अनदेखी करके महिलाओं की स्थिति को पूरी तरह नहीं समझा जा सकता। घरेलू श्रम का अर्थ सिर्फ खाना बनाना, सफाई करना या कपड़े धोना नहीं है। परिवार की जरूरतों को याद रखना, बच्चों की दिनचर्या संभालना, बुजुर्गों की देखभाल करना और घर की व्यवस्था को लगातार बनाए रखना भी श्रम है। इन कामों का बड़ा हिस्सा ऐसा होता है, जिसका कोई निश्चित समय नहीं। इन्हें करने के लिए महिला को बार-बार अपना काम रोकना पड़ सकता है। विडंबना यह है कि इस श्रम को कई बार जिम्मेदारी नहीं, स्वाभाविक कर्तव्य मान लिया जाता है। कामकाजी महिलाओं के सामने चुनौती और बढ़ जाती है। कार्यालय में काम पूरा करने और अपनी पेशेवर पहचान बनाए रखने के बाद घर की जिम्मेदारियां भी उनका इंतजार कर सकती हैं। दूसरी ओर, घर संभालने वाली महिलाओं के श्रम को अक्सर कम करके आंका जाता है। यह हर परिवार की कहानी नहीं है। अनेक परिवारों में पुरुष भी घरेलू जिम्मेदारियां बराबरी से निभाते हैं। लेकिन जहां ऐसा नहीं होता, वहां काम का असमान बंटवारा महिलाओं की थकान और तनाव को बढ़ा सकता है। आर्थिक आत्मनिर्भरता जरूरी है, लेकिन उससे अपने आप मानसिक स्वतंत्रता नहीं मिल जाती। अपने समय, निर्णयों और जरूरतों पर अधिकार भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। हमारे सामाजिक व्यवहार में महिलाओं से अक्सर अपेक्षा की जाती है कि वे रिश्तों को बनाए रखें, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालें और दूसरों की भावनाओं का ध्यान रखें। ये गुण अपने आप में गलत नहीं हैं। परेशानी तब होती है, जब इनके नाम पर उनसे अपनी जरूरतें लगातार दबाने की अपेक्षा की जाती है। वह नाराजगी जाहिर करे, तो उसके व्यवहार पर सवाल उठ सकते हैं।

अपने लिए समय मांगे, तो उसे स्वार्थ समझा जा सकता है। अपनी परेशानी बताए, तो कभी-कभी उसे समझाने की कोशिश शुरू हो जाती है, सुनने की नहीं। धीरे-धीरे महिला अपनी बात कहने से पहले यह सोचने लगती है कि सामने वाला उसकी बात समझेगा भी या नहीं। कहीं उसकी परेशानी को छोटी बात कहकर टाल तो नहीं दिया जाएगा? कहीं उसे कमजोर तो नहीं समझा जाएगा? यहां एक अंतर समझना जरूरी है। हर चुप्पी मानसिक परेशानी का संकेत नहीं होती। अकेले समय बिताना भी जरूरी हो सकता है। लेकिन लगातार उदासी, बेचैनी, नींद में बदलाव या रोजमर्रा की गतिविधियों में रुचि कम होने जैसी स्थितियां बनी रहें, तो उन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ की सहायता लेना महत्त्वपूर्ण है। किसी की बात सुनने का अर्थ तुरंत समाधान देना नहीं है। कई बार व्यक्ति को सबसे पहले यह भरोसा चाहिए होता है कि उसकी परेशानी को गंभीरता से लिया जा रहा है।

डिजिटल माध्यमों ने महिलाओं को अपनी बात कहने, अनुभव साझा करने और एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर दिया है। लेकिन इसके साथ तुलना का एक नया दबाव भी पैदा हुआ है। किसी की उपलब्धियां, किसी की सुंदरता, किसी का परिवार और किसी की जीवनशैली। लगातार दूसरों के जीवन के चुनिंदा दृश्य देखते हुए अपनी जिंदगी को कमतर समझने का जोखिम बढ़ सकता है। महिलाओं के मामले में उम्र, शरीर, वैवाहिक जीवन और पेशेवर सफलता से जुड़े सामाजिक मानक इस दबाव को और बढ़ा सकते हैं। हालांकि, सोशल मीडिया को हर परेशानी का कारण बताना गलत होगा। आर्थिक असुरक्षा, रिश्तों में तनाव, कार्यस्थल का माहौल और सामाजिक भेदभाव भी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। जरूरी यह है कि महिलाओं को अपनी पहचान और आत्मसम्मान के लिए लगातार बाहरी स्वीकृति पर निर्भर न रहना पड़े। महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी केवल उन्हीं की नहीं है। परिवार, कार्यस्थल और स्वास्थ्य व्यवस्था की भी इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका है। परिवार में घरेलू कामों और देखभाल की जिम्मेदारियों का न्यायसंगत बंटवारा होना चाहिए। महिला को आराम करने, अपनी पसंद के काम करने और बिना अपराधबोध के सहायता मांगने का अवसर मिलना चाहिए। कार्यस्थलों पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता, काम के उचित घंटे और जरूरत पड़ने पर परामर्श की सुविधा आवश्यक है। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और किफायती बनाना भी जरूरी है, खासकर उन महिलाओं के लिए जिनके पास सीमित आर्थिक संसाधन हैं। सबसे बढ़कर, मानसिक स्वास्थ्य को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना होगा। परामर्श लेना कमजोरी नहीं है। जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की सहायता लेना सामान्य स्वास्थ्य देखभाल का हिस्सा है। महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य का सवाल केवल यह नहीं है कि वे तनाव से कैसे निपटें। सवाल यह भी है कि उनके जीवन में तनाव पैदा करने वाली परिस्थितियों को बदलने के लिए हम क्या कर रहे हैं। महिलाओं को हर परिस्थिति में मजबूत बने रहने की सलाह देने से पहले यह देखना होगा कि क्या हमने उनके लिए अपनी परेशानी जाहिर करने की जगह छोड़ी है। किसी महिला का सबकी जिम्मेदारी निभाते रहना इस बात का प्रमाण नहीं कि उसे किसी सहारे की जरूरत नहीं। असली संवेदनशीलता उसकी सहनशक्ति की प्रशंसा करने में नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों को बदलने में है, जिनमें उसे हर दिन खुद को साबित करना पड़ता है। आखिरकार, सवाल सिर्फ इतना नहीं कि महिलाएं दूसरों के लिए कितना कुछ करती हैं। सवाल यह भी है कि सबके लिए जीते हुए उन्हें अपने लिए जीने का अवसर कितना मिलता है। (यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेगी जिंदगियां ?

ललित गर्ग

कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है।

कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जागने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे?

किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयोजन की सफलता का मूल्यांकन केवल वहां उमड़ने वाली भीड़ से होना चाहिए? क्या आयोजकों और समितियों को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी? संकरी गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवरुद्ध रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देना उत्सव की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देना है। कोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग-अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, भीड़ की आवाजाही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अफवाह फैलने या किसी अप्रत्याशित घोषणा से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर आयोजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हादसे के बाद नहीं, आयोजन की योजना बनाते समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयोजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयोजक की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। जवाबदेही के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है। साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुंचकर संयम बनाए रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धक्का न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से घनी हो जाए, तो आगे बढ़ने की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए। आयोजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान है। हमारे धर्म और संस्कृति का मूल संदेश करुणा, अहिंसा, सेवा और जीवन के प्रति आदर है।

सीजेपी के विरोध में लाल हिट जनता पार्टी का उदय

सौरभ वार्ष्णेय

देश की राजनीति में विरोध और प्रतिरोध की नई तस्वीर सामने आ रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच अभिजीत दीपके से जुड़ी बताई जा रही कॉकरोच जनता पार्टी के मुकाबले लाल हिट जनता पार्टी नाम से एक नए संगठन के सामने आने की खबर चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली में इस संगठन की पहली सदस्यता बैठक आयोजित की गई, जिसमें शामिल लोगों ने सीजेपी, कांग्रेस और अन्य प्रदर्शनकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है कि लोकतंत्र में विरोध की सीमा क्या होनी चाहिए और असहमति का जवाब किस तरीके से दिया जाना चाहिए।लाल हिट जनता पार्टी० के प्रमुख और संयोजक अयान भटनागर के बयानों के मुताबिक, इस संगठन का उद्देश्य चुनाव लडऩा नहीं, बल्कि सीजेपी और उसके विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करना है। उनका दावा है कि संगठन भविष्य की रणनीति तैयार करेगा और विभिन्न स्थानों पर छोटे-बड़े समूहों के माध्यम से अपनी बात रखेगा। उन्होंने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती भी दी है। उनके अनुसार, यदि विरोध करने वाले अपने विचारों को लेकर आश्वस्त हैं, तो उन्हें सार्वजनिक चर्चा के लिए आगे आना चाहिए। यह घटनाक्रम केवल दो संगठनों के बीच टकराव की कहानी नहीं है। इसके पीछे लोकतांत्रिक विरोध, राजनीतिक लामबंदी, जनमत निर्माण और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न मौजूद हैं। किसी संगठन का विरोध करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन उस विरोध की वैधता और प्रभाव का आकलन उसके नारों से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्यों, तथ्यों और तरीकों से किया जाना चाहिए।लोकतंत्र में असहमति को दबाने के बजाय उसे सुनना और समझना आवश्यक है। किसी सरकारी संस्था, संवैधानिक पदाधिकारी या राजनीतिक दल के फैसलों से असहमति होने पर नागरिकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने, अपनी बात रखने और सवाल पूछने का अधिकार प्राप्त है। इसी तरह, किसी प्रदर्शन से असहमत नागरिकों को भी अपनी राय व्यक्त करने तथा उसके विरोध में शांतिपूर्ण अभियान चलाने का अधिकार है।इस दृष्टि से लाल हिट जनता पार्टी० का सामने आना विरोध की राजनीति के जवाब में एक दूसरे विचार के उभरने के रूप में देखा जा सकता है। यदि एक समूह किसी संवैधानिक पदाधिकारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है, तो दूसरे समूह को उस प्रदर्शन की आलोचना करने से रोका नहीं जा सकता। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति इसी बहुलता में निहित है, जहां अलग-अलग विचारों को सामने आने का अवसर मिलता है।लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब वैचारिक असहमति व्यक्तिगत आरोपों, अपमानजनक भाषा और एक-दूसरे को समाप्त करने की राजनीतिक मानसिकता में बदल जाती है। लोकतंत्र में किसी विचार का मुकाबला बेहतर तर्क से होना चाहिए, न कि केवल तीखे नारों और उत्तेजक नामों से। किसी संगठन की लोकप्रियता का वास्तविक आकलन इस बात से होगा कि वह जनता के सामने कौन-से तथ्य रखता है और जनहित के सवालों पर उसका दृष्टिकोण कितना स्पष्ट है।मीडिया रिपोर्टों में सीजेपी से जुड़े लोगों पर अराजकता फैलाने और विदेशी फंडिंग प्राप्त करने जैसे आरोप लगाए जाने की बात सामने आई है। इन आरोपों को गंभीरता से देखा जा सकता है, लेकिन किसी भी आरोप को प्रमाण के बिना स्थापित तथ्य मान लेना उचित नहीं होगा। यदि किसी संगठन की गतिविधियों, वित्तीय स्रोतों या प्रदर्शन के दौरान उसके आचरण को लेकर संदेह है, तो संबंधित तथ्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता सभी संगठनों के लिए आवश्यक है। जो संगठन जनता के नाम पर आंदोलन करते हैं, उनसे यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे अपने उद्देश्यों, नेतृत्व, वित्तीय संसाधनों और गतिविधियों के संबंध में जवाबदेह रहें। लेकिन यही कसौटी उन संगठनों पर भी लागू होनी चाहिए जो विरोध प्रदर्शनों का प्रतिरोध करने के लिए सामने आते हैं।एक पक्ष पर लगाए गए आरोपों को दूसरे पक्ष की स्वतः निर्दोषता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कानून का शासन इसी सिद्धांत पर आधारित है कि जांच तथ्यों के आधार पर हो, न कि राजनीतिक पसंद और नापसंद के आधार पर। यदि किसी संगठन को लेकर गंभीर शिकायत है, तो सक्षम संस्थाओं को नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। आरोपों के आधार पर किसी समूह को दोषी घोषित करना न्यायपूर्ण लोकतंत्र की भावना के विपरीत है।अयान भटनागर ने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती दी है। यह पहल अपने आप में महत्वपूर्ण हो सकती है, बशर्ते बहस का उद्देश्य केवल एक-दूसरे को नीचा दिखाना न होकर जनता के सामने तथ्यों को स्पष्ट करना हो। लोकतंत्र में सार्वजनिक संवाद की संस्कृति कमजोर पडऩे का एक बड़ा कारण यह है कि राजनीतिक और वैचारिक समूह अक्सर विरोधी विचारों को सुनने के बजाय उन्हें पूरी तरह खारिज करने लगते हैं।यदि सीजेपी और लाल हिट जनता पार्टी० के प्रतिनिधि किसी सार्वजनिक मंच पर आमने-सामने बैठकर अपने विचार रखते हैं, तो जनता को दोनों पक्षों के तर्क समझने का अवसर मिल सकता है। ऐसी बहस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध के कारण, प्रदर्शन की वैधता, निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सवाल, राजनीतिक दलों की भूमिका और सार्वजनिक व्यवस्था पर पडऩे वाले प्रभाव जैसे विषय शामिल किए जा सकते हैं।हालांकि, बहस केवल चुनौती देने से सफल नहीं होती। इसके लिए तथ्यात्मक तैयारी, संयमित भाषा और विरोधी पक्ष को सुनने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। यदि दोनों समूह पहले से तय निष्कर्षों के साथ मंच पर आते हैं और केवल आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, तो उससे राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है। इसके विपरीत, प्रमाणों और तर्कों पर आधारित संवाद लोकतंत्र को मजबूत कर सकता है।अयान भटनागर ने यह भी दावा किया है कि प्रदर्शनों के कारण कारोबारियों का धंधा प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ कथित बदसलूकी का मुद्दा भी उठाया। इन शिकायतों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है, लेकिन व्यापक सिद्धांत स्पष्ट है कि किसी भी आंदोलन के दौरान आम नागरिकों के अधिकारों और सार्वजनिक सुविधाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए।बाजारों में काम करने वाले व्यापारी, दैनिक मजदूरी करने वाले श्रमिक, कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, मरीज और विद्यार्थी किसी भी राजनीतिक विवाद के प्रत्यक्ष पक्षकार नहीं होते। यदि विरोध प्रदर्शनों के कारण यातायात बाधित होता है, दुकानों का कारोबार प्रभावित होता है या लोगों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाई होती है, तो इसका समाधान निकालना जरूरी है।इसका अर्थ यह नहीं कि कारोबार या यातायात में असुविधा का हवाला देकर हर प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाए। शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन प्रदर्शन के लिए उचित स्थान, समय और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे तथा आयोजक कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखें। पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार या हिंसा की कोई घटना होती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। इसी प्रकार, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के अधिकारों की रक्षा करना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।अयान भटनागर का यह कहना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक फोन कर दें तो बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर आ सकते हैं, राजनीतिक लामबंदी की संभावनाओं की ओर संकेत करता है। लेकिन किसी नेता के आह्वान पर भीड़ जुट जाना और किसी विचार को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त होना दो अलग-अलग बातें हैं।भीड़ की संख्या किसी संगठन की वास्तविक सामाजिक स्वीकार्यता का एकमात्र प्रमाण नहीं हो सकती। जनसमर्थन का मूल्यांकन इस बात से भी होना चाहिए कि संगठन कितने समय तक सक्रिय रहता है, समाज के वास्तविक मुद्दों पर क्या योगदान देता है और अपने विचारों को कितनी स्पष्टता से प्रस्तुत करता है। किसी भी राजनीतिक या सामाजिक संगठन की विश्वसनीयता उसके काम, व्यवहार और जवाबदेही से बनती है। यदि लाल हिट जनता पार्टी० वास्तव में सीजेपी की गतिविधियों का वैचारिक प्रतिरोध करना चाहती है, तो उसे अपने उद्देश्यों और कार्ययोजना को स्पष्ट करना होगा।

मेष राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। दोपहर तक आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है। विरोधी आज आपके बारे मे अफवाहें फ़ैलाने के लिए तैयार बैठे हैं ऐसा कोई मौका ही न दें। आपकी प्रतिभा मान-सम्मान बढ़ाने में कारगर साबित हो सकती है। आपको कुछ ऐसे काम दिए जायेंगे, जिन्हें आप आसानी से पूरा कर लेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज पूरा दिन माता-पिता के साथ बितेगा। जिन सीमित विचारों की वजह से आप विचार के दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, आज उन्हें तोड़कर जीवन में बदलाव लाने में सफल होंगे। आज सरकारी काम या कोर्ट संबंधित कामों को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा, एग्जाम से रिलेटेड शुभ समाचार मिल सकता हैं

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। राजनीति से जुडे लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ होगी। आज कार्यस्थल पर लोगों के साथ जुड़े रहने की और मिलने-जुलने की कोशिश करेंगे, लेकिन अपने विचारों में किसी भी प्रकार का बदलाव सोच-समझकर करें। पिछली बातों से मिली सीख को आज ध्यान में रखेंगे। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा।

कर्क राशि : आज आपके दिन की शुरुआत खुशियों से भरी होगी। आज अन्य लोगों की समस्याओं को सुलझाने पर आपका ध्यान रहेगा, इस कारण व्यक्तिगत जीवन की कुछ बातों को नजरअंदाज न करें। आज का दिन दोस्तों के साथ मौज-मस्ती में बितेगा, आप उसके साथ बाहर जा सकते है जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात होगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे। आप जिन कामों को करने के लिए सोचेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फायदा दे सकते हैं। आज के दिन की शुरुआत शुभ संकल्पों से होगी। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है, उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा।

कन्या राशि: आज भाग्य का आपको पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे तो बिना गड़बड़ के काम समय से पूरा हो जायेगा। आज आप पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। आज आपको दूसरों का मूड समझने में बहुत हद तक सफलता मिलेगी। आगे बढऩे के लिए आप कुछ नया सीखेंगे।

तुला राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। ऑफिस के किसी काम को लेकर बॉस आपको सलाह देंगे, जो आपके लिए कारगर साबित होगा। आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए। आज महत्वपूर्ण काम पूरा होने से मन खुश रहेगा। आज कुछ नये मौके और नये विचार सामने आयेंगे, जिन्हें आप खुले मन से स्वीकार करेंगे। आज आप ज्यादातर मामलों में खुद को भाग्यशाली महसूस करेंगे।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन लकी रहेगा। सरकारी कामों में किसी अनुभवी से सलाह मिल सकती है, जो आपके बहुत काम आ सकती है। इस राशि के जो लोग कोचिंग संचालक हैं, उनके लिये अपने काम में कुछ बदलाव करने का आज अच्छा दिन है।

धनु राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है। इस राशि के कांट्रेक्टर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि :आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज थोड़ी मेहनत से किसी बड़े फायदे का योग बन रहा है। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज किसी समारोह में जाने का प्लान बनायेंगे, जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। आज आपके व्यव्हार में सकारात्मक बदलाव आयेगा।

कुंभ राशि : आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज किसी ऐसे मित्र से कॉल पर बात होगी, जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएगी। आज पिछली बातों की वजह से मन उलझन में रहेगा, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है, इससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन नई सौगात लेकर आया है। आज करियर संबंधी शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा हो जायेगा। सेहत आज फिट रहेगी। मन में पैसों को लेकर कई तरह के विचार आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने के लिए समय बेहतर है। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं ।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अभिषेक शर्मा के तूफानी शतक से भारत ने जीती सीरीज, न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया

एजेंसी, वेलिंगटन

अभिषेक शर्मा के तूफानी शतक की बदौलत भारतीय क्रिकेट टीम ने मंगलवार को पांच मैचों की टी-20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। अभिषेक ने महज 35 गेंदों में शतक पूरा किया और 38 गेंदों पर 113 रन की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 11 छक्के और 9 चौके लगाए। भारत ने 199 रनों का लक्ष्य केवल 13.2 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी ने तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने जैकब डफी के पहले ओवर में 26 रन बटोरे। दूसरे ओवर में 17 और तीसरे ओवर में 21 रन बने। इस तरह भारत ने महज तीन ओवर में बिना विकेट खोए 64 रन बना लिए। भारतीय बल्लेबाजों का आक्रामक अंदाज पावरप्ले में भी जारी रहा। टीम ने चौथे ओवर में 20, पांचवें में 16 और छठे ओवर में 18 रन बनाए। भारत ने छह ओवर में बिना किसी नुकसान के 118 रन बना डाले। अभिषेक ने महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

मैथ्यू फिशर ने आठवें ओवर में वैभव सूर्यवंशी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। वैभव ने 19 गेंदों पर 45 रन बनाए, जिसमें चार छक्के और चार चौके शामिल रहे। हालांकि, अभिषेक ने इसी ओवर में दो छक्के और एक चौका जड़कर भारतीय टीम को 156 रन तक पहुंचा दिया। अभिषेक ने काइल जैमीसन के खिलाफ 10वें ओवर में महज 35 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इसके बाद भी उनका आक्रामक खेल जारी रहा। जैमीसन ने अंततः उन्हें 113 रन के निजी स्कोर पर आउट किया। अभिषेक ने 38 गेंदों की अपनी पारी में 11 छक्के और नौ चौके लगाए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन के विकेट गिरने से भारत की रफ्तार कुछ धीमी हुई लेकिन टीम ने 40 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड की ओर से जैमीसन ने दो विकेट लिए, जबकि फिशर और मिचेल सैंटनर को एक-एक विकेट मिला। हालांकि, न्यूजीलैंड का कोई भी गेंदबाज 12 रन प्रति ओवर से कम की दर से रन खर्च नहीं कर सका। इससे पहले न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल की 89 रन की शानदार पारी की मदद से तीन विकेट पर 198 रन बनाए। मिचेल ने 52 गेंदों पर 89 रन बनाए, जिसमें आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन देखने को मिला। बेवन जैकब्स ने 23 गेंदों पर 39 रन का योगदान दिया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 75 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

कर्टिस हेफी की जुझारू पारी के बावजूद खराब रोशनी के चलते भारत ए टीम का न्यूजीलैंड ए से मुकाबला ड्रॉ

एजेंसी, लिंकन

कर्टिस हेफी की नाबाद 90 रन की जुझारू पारी और खराब रोशनी के कारण भारतीय ए क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड ए के खिलाफ चार दिवसीय पहले मुकाबले में जीत से एक विकेट दूर रह गई। न्यूजीलैंड ए ने दूसरी पारी में नौ विकेट पर 187 रन बनाए, जिसके बाद खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ा और मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। 313 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ए की टीम एक समय 170 रन पर नौ विकेट गंवा चुकी थी। हेफी और 11वें नंबर के बल्लेबाज जेडन लेनॉक्स ने आखिरी विकेट के लिए भारतीय गेंदबाजों को सफलता से दूर रखा। दोनों ने करीब 10 ओवर तक बल्लेबाजी की। दिन का खेल समाप्त होने में लगभग 17 ओवर बाकी थे, लेकिन खराब रोशनी के कारण अंपायरों ने खिलाड़ियों को मैदान से बाहर बुला लिया। भारत ए की ओर से आकिब नबी ने आखिरी दिन शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने आठ गेंदों के भीतर तीन विकेट लेकर न्यूजीलैंड ए के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। उन्होंने अपने दूसरे ओवर की पहली गेंद पर राइस मारियू को बोल्ड किया। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर टिम रॉबिन्सन को पगबाधा आउट किया। इसके बाद अपने तीसरे ओवर में मैथ्यू बॉयल को बोल्ड कर न्यूजीलैंड ए की मुश्किलें बढ़ा दीं। 13 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद हेफी और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 78 रन जोड़े। फॉक्सक्रॉफ्ट 42 रन बनाकर मुकेश चौधरी की गेंद पर पुल शॉट खेलने के प्रयास में आउट हुए। इसके बाद मिचेल हे को अंशुल कंबोज ने विकेट के पीछे कैच कराया। 110 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद न्यूजीलैंड ए की पारी लड़खड़ा गई।

श्रीलंकाई सलामी बल्लेबाज पाथुम निसंका पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रीलंकाई सलामी बल्लेबाज पाथुम निसंका पाकिस्तान में होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। वे अपने बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। निसंका को शुरुआती 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था, लेकिन शर्त यह थी कि वे तभी यात्रा कर सकेंगे, जब उन्हें मेडिकल रूप से फिट घोषित किया जाएगा। हालांकि, श्रीलंका क्रिकेट के एक बयान से पुष्टि हुई है कि वे सीरीज शुरू होने तक फिट नहीं हो पाए हैं। निसंका को सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका के व्हाइट-बॉल दौरे के दौरान चोट लगी थी, जिसके कारण वे पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज से भी बाहर हो गए थे। उन्हें चल रही एकदिनी ट्राई-सीरीज के लिए भी टीम में एक 'शर्त के साथ' (कंडीशनल पिक के तौर पर) शामिल किया गया था, लेकिन फिटनेस टेस्ट पास न कर पाने के कारण उन्हें वहां से भी बाहर होना पड़ा। इस ताजा झटके के कारण निसंका की टेस्ट क्रिकेट में वापसी और टल गई है। इससे पहले अगस्त में कलाई की चोट के कारण वे भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज भी नहीं खेल पाए थे। टेस्ट सीरीज के लिए निसंका की जगह ओपनर लाहिरू उदारा को टीम में शामिल किया गया है। उदारा पहले से ही वनडे टीम के साथ पाकिस्तान में मौजूद हैं; उन्हें ट्राई-सीरीज के लिए भी निसंका के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था।

आईओए ने आईडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप-2029 की मेजबानी अहमदाबाद को मिलने पर जताई खुशी

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 2029 में होने वाली इंटरनेशनल वेटलिफ्टिंग फेडरेशन (आईडब्ल्यूएफ) वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी गुजरात के अहमदाबाद को सौंपने के फैसले का स्वागत किया है। यह पहली बार होगा जब यह वैश्विक वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप भारत में आयोजित की जाएगी। आईडब्ल्यूएफ ने 25 अक्टूबर को चीन के निंगबो में हुई अपनी कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद अहमदाबाद को मेजबानी सौंपने की पुष्टि की। यह घोषणा भारत के अंतरराष्ट्रीय खेल कैलेंडर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। गुजरात में वेटलिफ्टिंग के लिए यह साल काफी अहम रहा है, क्योंकि इससे पहले 2026 में गांधीनगर ने एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप की मेजबानी की थी। अहमदाबाद 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल की भी मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में आईडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप भारत को दुनिया के बेहतरीन एथलीटों और प्रशंसकों का स्वागत करने का एक और मौका देगी। साथ ही यह पहली बार होगा जब वेटलिफ्टिंग की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में से एक भारतीय दर्शकों के सामने आयोजित की जाएगी। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा कि आईडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप का अहमदाबाद आना भारतीय खेलों के लिए गर्व का क्षण और भारत के लिए दुनिया का स्वागत करने का एक और अवसर है।

दिव्यांग क्रिकेटरों के समर्थन में बीसीसीआई की पहल, डीसीसीआई ने जताया आभार

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने देशभर में दिव्यांग क्रिकेटरों के कल्याण, विकास और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए अपने सदस्य क्रिकेट संघों से उचित कदम उठाने की अपील की है। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) ने बीसीसीआई की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्रिकेट को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 26 अक्टूबर को सभी सदस्य संघों को पत्र लिखकर दिव्यांग क्रिकेटरों की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें खेल में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन, सहायता तथा अवसर उपलब्ध कराने के लिए सार्थक पहल करने का आग्रह किया। यह पहल मुंबई में 18 सितंबर को आयोजित बीसीसीआई की 95वीं वार्षिक आम बैठक में हुई चर्चा के बाद सामने आई है। बैठक में दिव्यांग क्रिकेटरों के समर्थन और उनके विकास की आवश्यकता पर विचार किया गया था। डीसीसीआई के सचिव रविकांत चौहान और संयुक्त सचिव अभय प्रताप सिंह ने इस पहल के लिए बीसीसीआई का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इससे दिव्यांग खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने, पहचान हासिल करने और क्रिकेट में आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिलेंगे। डीसीसीआई सचिव रविकांत चौहान ने कहा, "हम भारत में दिव्यांग क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए बीसीसीआई के समर्थन और प्रोत्साहन के प्रति गहरा आभार व्यक्त करते हैं। यह पहल क्रिकेट को अधिक समावेशी बनाने और हमारे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर पहचान तथा अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।"

बिजनेस

कल आएगा अजवा प्रोजेक्ट्स का पब्लिक इश्यू, 2 नवंबर को होगा शेयरों का अलॉटमेंट

एजेंसी, नई दिल्ली

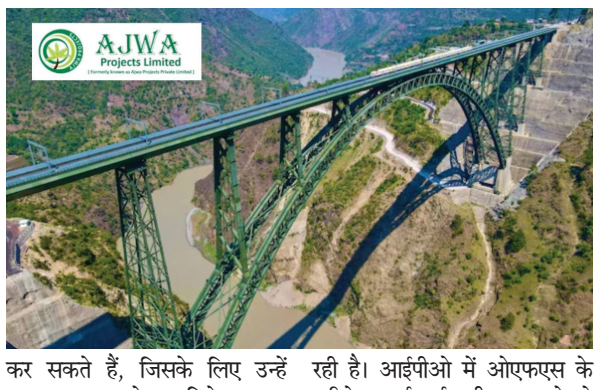

सिविल कंस्ट्रक्शन सेक्टर की कंपनी अजवा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का 38.05 करोड़ रुपये का आईपीओ कल सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च किया जाएगा। इस आईपीओ में निवेशक 30 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 2 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 3 नवंबर को अलॉटेड शेयर सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 4 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

यह एक फिक्स्ड प्राइस इश्यू है और इसमें निवेश करने के लिए 203 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयरों का है। रिटेल इन्वेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम 2 लॉट यानी 1,200 शेयरों के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,43,600 रुपये का निवेश करना होगा। इसके अलावा गैर-संस्थागत (हाई नटेवर्थ इंडिविजुअल) निवेशक कम से कम 3 लॉट यानी 1,800 शेयरों के लिए 3,65,400 रुपये की बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18,74,400 शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसमें 30.45 करोड़ रुपये मूल्य के 15 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि प्रमोटरों द्वारा 7.60 करोड़ रुपये मूल्य के 3,74,400 शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए की जा रही है। आईपीओ में ओएफएस के जरिये जुटाई गई पूरी रकम बेचने वाले प्रमोटर्स के पास जाएगी। इस आईपीओ में मार्केट मेकर श्रेणी के लिए 94,800 शेयर अलग रखने के बाद नेट ऑफर में से नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 50.03 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 49.97 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इस पूरे इश्यू के लिए वेल्थ माइन नेटवर्क्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही प्रभात फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड कंपनी के मार्केट मेकर के रूप में काम करेगी। इस आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए फंड में से 8.10 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी प्लांट व मशीनरी और ट्रांसपोर्टेशन व्हीकल खरीदने के साथ ही परिसंपत्तियां खरीदने के लिए अपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इसके अलावा 9.35 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया कर्जों के रीपेमेंट और प्रीपेमेंट के लिए किया जाएगा। इसी तरह चार करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के लिए और शेष बची हुई राशि सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने व आईपीओ खर्चों की भरपाई करने के लिए उपयोग की जाएगी। अजवा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कंपनी द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों में दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले वित्त वर्षों के दौरान शानदार सुधार हुआ है।

अनूप बागची ने एचडीएफसी बैंक के सीईओ एवं एमडी का पद संभाला

एजेंसी, नई दिल्ली

अनूप बागची ने देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के ऋणदाता एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभाल लिया है। एचडीएफसी बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजार को जानकारी दी कि उनके पूर्ववर्ती सीईओ शशिधर जगदीशन ने अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद सोमवार को पद छोड़ दिया है। बैंक ने बताया कि अनूप बागची ने एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ का पदभार संभाल लिया है। आईसीआईसीआई समूह में लंबे समय तक काम कर चुके बागची एचडीएफसी बैंक के तीन दशक से अधिक के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले पहले बाहरी व्यक्ति हैं। इससे पहले वह आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ थे। अनूप बागची ऐसे समय में एचडीएफसी बैंक से जुड़े हैं, जब बैंक कई चुनौतियों से जूझ रहा है। इनमें मुख्य आय में वृद्धि एवं 'मार्जिन' से जुड़ी चुनौतियां भी शामिल हैं जिनके कारण निवेशक सतर्क हो गए हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए कल खुलेगा कार्वर रोबोवेल्ड का आईपीओ, 30 तक लगा सकेंगे बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

मेटल कोर वायर्स, वेल्डिंग रॉड्स और गॉजिंग इलेक्ट्रोड्स सहित वेल्डिंग कंज्यूमेबल्स का निर्माण करने, वेल्डिंग स्पेयर पार्ट्स व एक्सेसरीज की आपूर्ति करने तथा फोर्जिंग उद्योग को फोर्जिंग डाई रीजनरेशन और वेल्डिंग रोबोट रेंटल सर्विसेज जैसे वैल्यू-ऐडेड इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स सेक्टर की कंपनी कार्वर रोबोवेल्ड लिमिटेड का 28.29 करोड़ रुपये का आईपीओ कल सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च किया जाएगा। इस आईपीओ में निवेशक 30 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 2 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 3 नवंबर को अलॉटेड शेयर सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 4 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 76 रुपये से लेकर 80 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयरों का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम 2 लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,56,000 रुपये का निवेश करना होगा। इसके अलावा छोटे एचएनआई (स्मॉल हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल) निवेशक कम से कम 3 लॉट यानी 4,800 शेयरों के लिए 3,84,000 रुपये तक की बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 35,36,000 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में मार्केट मेकर श्रेणी के लिए 1,77,600 शेयर अलग रखने के बाद नेट ऑफर में से क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस पूरे इश्यू के लिए स्मार्ट होराइजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही श्रेणी शेयर्स लिमिटेड कंपनी के मार्केट मेकर के रूप में भूमिका निभाएगी। चूंकि यह आईपीओ 100 प्रतिशत फ्रेश इश्यू है, इसलिए नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए फंड में से 11.99 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी वेल्डिंग रोबोट की खरीद के लिए अपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इसके अलावा 8.60 करोड़ रुपये का उपयोग बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कंपनी द्वारा लिए गए कर्जों की किस्तों के रीपेमेंट और प्रीपेमेंट के लिए किया जाएगा। इसके बाद बची हुई शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी। कार्वर रोबोवेल्ड लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कंपनी द्वारा सेबी के पास जमा किए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले वित्त वर्षों के दौरान शानदार सुधार हुआ है।

एमके संस फाइन ज्वेल्स का आईपीओ कल होगा लॉन्च, 4 नवंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर की कंपनी एमके संस फाइन ज्वेल्स लिमिटेड का 275.40 करोड़ रुपये का आईपीओ कल सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च किया जाएगा। ये कंपनी मुंबई और अहमदाबाद में अपने शोरूम नेटवर्क के माध्यम से सोने, हीरे और अमेरिकन डायमंड के आभूषणों की खुदरा बिक्री करने तथा अलग अलग कैटेगरी की अंगूठियां, हार, चूड़ियां, झुमके, ब्रेसलेट, मंगलसूत्र और ब्राइडल व कस्टमाइज्ड आभूषणों की डिजाइनिंग का काम करती है। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 30 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 2 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 2 नवंबर को ही अलॉटेड शेयर सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।

कंपनी के शेयर 4 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 153 रुपये से लेकर 162 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 91 शेयरों का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम एक लॉट यानी 91 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,742 रुपये का निवेश करना होगा। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट में 1,183 शेयर के लिए 1,91,646 रुपये तक की बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1.70 करोड़ शेयर जारी किए जा रहे हैं। यह इश्यू के तहत लगभग 220.32 करोड़ रुपये मूल्य के 1.36 करोड़ नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि प्रमोटर द्वारा 55.08 करोड़ रुपये मूल्य के 34 लाख शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए की जा रही है।

सर्राफा बाजार में सोना हुआ महंगा, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 170 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 190 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। चांदी आज भी सोमवार के भाव पर टिकी हुई नजर आ रही है। सोने की कीमत में उछाल आने के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,860 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,19,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,42,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत-चिली एफटीए अंतिम चरण में, कनाडा से वार्ता में अच्छी प्रगति : गोयल

एजेंसी, नई दिल्ली

नीदरलैंड की यात्रा पर गए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत कई देशों और समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने बताया कि चिली के साथ वह वार्ता समझौते को अंतिम रूप देने के काफी करीब है, जबकि कनाडा के साथ बातचीत में अच्छी प्रगति हो रही है। गोयल ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि मुझे लगता है कि चिली के साथ चल रही मौजूदा बातचीत समझौते को अंतिम रूप देने के काफी करीब है। कनाडा के साथ बहुत अच्छी प्रगति हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने एसएसीयू के साथ बातचीत अभी शुरू की है, इसलिए इसे पूरा होने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि दक्षिण अफ्रीका के नेतृत्व वाले दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (एसएसीयू) के साथ बातचीत शुरू हो गई है। भारत एसएसीयू ने अगस्त में तरजीही व्यापार समझौते की दिशा में औपचारिक वार्ता शुरू करने के लिए विचारार्थ विषयों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए थे। एसएसीयू के पांच सदस्य बोत्सवाना, इस्वातिनी (पूर्व में स्वाजीलैंड), लेसोथो, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका हैं। केंद्रीय मंत्री अन्य समझौतों के बारे में बात करते हुए कहा कि मैक्सिको जल्द से जल्द शुरुआती चरण का व्यापार समझौता करने को लेकर बहुत उत्सुक है। वह यहां दो दिन की आधिकारिक दौरे पर आए हुए हैं। उन्होंने बताया कि जीसीसी) और इजराइल के साथ बातचीत स्वाभाविक रूप से धीमी है और इसे आगे बढ़ने में कुछ समय लग सकता है।

हिमालय के एक गांव के रहस्यों से पर्दा उठाएंगी भूमिका गुरुंग

'निमकी मुखिया' फेम भूमिका गुरुंग अब सस्पेंस क्राइम ड्रामा 'स्नो ब्राइड' में आएंगी नजर

छोटे परदे की अभिनेत्री भूमिका गुरुंग अब वेब सीरीज स्नो ब्राइड के माध्यम से रहस्य और रोमांच से भरी दुनिया में नजर आएंगी। धारावाहिक निमकी मुखिया और निमकी विधायक से पहचान बनाने वाली भूमिका अब वेब सीरीज स्नो ब्राइड में रहस्य सुलझाकर दर्शकों का मनोरंजन करेगी। यह सस्पेंस क्राइम ड्रामा सीरीज हिमालय के एक दूरदराज गांव की कहानी पर आधारित है, जहां सदियों पुरानी मान्यताएं, डर और रहस्यमयी घटनाएं लोगों के जीवन को प्रभावित करती हैं। सीरीज में भूमिका पूर्वा नाम की महिला की भूमिका निभा रही हैं, जो गांव में प्रचलित कहानियों के पीछे छिपी सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करती है। स्नो ब्राइड की कहानी एक ऐसे गांव में आगे बढ़ती है, जहां यति को लेकर पीढ़ियों से कई तरह की कहानियां सुनाई जाती रही हैं। गांव की युवा महिलाओं के अचानक गायब होने की घटनाओं को यति से जोड़कर देखा जाता है। इन महिलाओं को स्थानीय मान्यताओं के आधार पर यति की दुल्हनें कहा जाता है। गांव के लोग पुरानी परंपराओं और भय के कारण इन घटनाओं को एक रहस्यमयी शक्ति से जोड़ते आए हैं। लेकिन पूर्वा इन मान्यताओं पर सवाल उठाती है और जानना चाहती है कि महिलाओं के गायब होने के पीछे वास्तव में क्या कारण है। भूमिका गुरुंग के अनुसार, पूर्वा का किरदार इस कहानी की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। वह केवल इसलिए किसी बात को सच नहीं मानती कि उसके आसपास रहने वाले लोग उस पर विश्वास करते हैं। वह हर घटना को समझने और उसके पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास करती है। ऐसा करते हुए उसे अपने आसपास के लोगों की नाराजगी और अनिश्चितता का सामना भी करना पड़ सकता है। अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारे में कहा कि पूर्वा के भीतर सवाल पूछने का साहस है। वह जानना चाहती है कि आखिर गांव में क्या हो रहा है, भले ही इसके लिए उसे दूसरों से अलग खड़ा होना पड़े। भूमिका के लिए इस चरित्र के दृढ़ इरादों के साथ उसके भीतर मौजूद डर और असमंजस को पर्दे पर उतारना एक दिलचस्प अनुभव रहा। वह चाहती हैं कि दर्शक भी पूर्वा के साथ रहस्य की परतों को समझें और गांव के बारे में अपनी धारणाओं पर विचार करें। सीरीज में भूमिका गुरुंग के साथ शिवम भार्गव, मानुल चुडासमा और इंद्रजीत मोदी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। शिवम भार्गव ने इसकी कहानी और वातावरण को दिलचस्प बताया। उनके अनुसार, यति से जुड़ी कहानियां बचपन से लोगों की कल्पना का हिस्सा रही हैं। ऐसे में हिमालय के एक दूरस्थ गांव में इस मान्यता को कहानी का आधार बनाना अपने आप में रहस्य और डर का माहौल तैयार करता है। शिवम ने कहा कि इस तरह के क्राइम ड्रामा में धीरे-धीरे खुलने वाले रहस्य दर्शकों को कहानी से जोड़े रखते हैं।

केदारनाथ धाम पहुंचीं अभिनेत्री सारा अली खान

कड़ाके की ठंड और बर्फबारी के बीच आम श्रद्धालुओं की तरह कतार में खड़े होकर किए बाबा के दर्शन

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री सारा अली खान एक बार फिर देवभूमि उत्तराखंड के पावन धाम केदारनाथ पहुंची हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'उड़ता तीर' बीते शुक्रवार को ही सिनेमाघरों में उतरी है, जिसे बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। अपनी इस फिल्म की रिलीज के ठीक तुरंत बाद, रविवार को अभिनेत्री हेलीकॉप्टर के जरिए सीधे केदारनाथ धाम पहुंचीं। केदारनाथ पहुंचने के बाद उन्होंने अगले तीन दिनों तक पूरी निष्ठा और श्रद्धा के साथ बाबा केदार की विशेष पूजा-अर्चना और दैनिक आरती में हिस्सा लिया। अभिनेत्री के वहां पहुंचने के दौरान मौसम ने अचानक करवट ली और इलाके में बर्फबारी का दौर भी शुरू हो गया, जिससे वहां का तापमान काफी लुढ़क गया है। कड़ाके की ठंड और बर्फीली हवाओं के बीच सारा अली खान को किसी अन्य विशिष्ट अतिथि या वीआईपी की तरह सेलिब्रिटी ट्रीटमेंट लेते हुए नहीं देखा गया, बल्कि वह आम श्रद्धालुओं की भांति मंदिर के बाहर लंबी कतार में कॉपते हुए अपनी बारी का इंतजार करती नजर आईं। प्रत्यक्षदर्शियों और वहां मौजूद लोगों के

अनुसार, सारा करीब आधे-आधे घंटे तक आम भक्तों के साथ लाइन में खड़ी रहीं। उनके साथ उनके कुछ करीबी दोस्त भी इस आध्यात्मिक यात्रा पर पहुंचे थे। मंदिर परिसर में विधिवत पूजा-पाठ करने के साथ ही उन्होंने केदारनाथ के क्षेत्र रक्षक देवता कहे जाने वाले बाबा भुकुंट भैरव के दरबार में भी हाजिरी लगाई और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। 31 वर्षीय अभिनेत्री सारा अली खान की यह केदारनाथ यात्रा कई मायनों में बेहद खास और चर्चा का विषय बनी हुई है। पिछले कुछ महीनों से केदारनाथ धाम में गैर-सनातनियों के प्रवेश, धार्मिक मान्यताओं और आस्था से जुड़े विभिन्न प्रमाणपत्रों को लेकर सोशल मीडिया और धार्मिक गलियारों में एक लंबी बहस छिड़ी हुई थी। ऐसे समय में बॉलीवुड की एक प्रमुख अभिनेत्री का पूरी तरह से सनातन परंपराओं और नियमों का पालन करते हुए सामान्य भक्तों की तरह लाइन में लगकर दर्शन करना लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उनकी यह तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, और उनके इस सरल तथा विनम्र स्वभाव की हर तरफ सराहना की जा रही है।

नाना पाटेकर के साथ जुडी यादों को ताजा किया दीप्ति नवल ने

बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता नाना पाटेकर के साथ जुडी अपनी पुरानी यादों को अभिनेत्री दीप्ति नवल ने ताजा किया है। सोशल मीडिया पर दीप्ति नवल ने फिल्म यात्रा के एक दृश्य की तस्वीर साझा करते हुए उस समय को याद किया, जब दोनों कलाकारों ने निर्देशक गौतम घोष की इस फिल्म में साथ काम किया था। दीप्ति नवल ने इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीर के साथ लिखा, नाना और मेरे बीच का एक पल, गौतम घोष की फिल्म यात्रा से। तस्वीर में अभिनेत्री पारंपरिक नीली नौवारी साड़ी और पीले ब्लाउज में जमीन पर बैठी नजर आती हैं। उनके पास पारंपरिक पत्थर की चक्की रखी हुई है। वहीं, नाना पाटेकर साधारण ऑफ-व्हाइट कपड़ों में दिखाई देते हैं। उनके कंधे पर मरून रंग का कपड़ा रखा है और वह दीप्ति के पास बैठे हुए हैं। तस्वीर में दोनों कलाकारों का सहज अंदाज दिखाई देता है। फिल्म यात्रा का निर्देशन गौतम घोष ने किया था। इसका प्रीमियर वर्ष 2006 में मॉन्ट्रियल वर्ल्ड फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। इसके बाद यह फिल्म 4 मई 2007 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

फिल्म की कहानी कला, वास्तविकता और कल्पना के बीच के संबंधों को सामने लाती है। इसमें एक प्रसिद्ध लेखक के जीवन, उसकी रचनाओं और अतीत से जुड़े अनुभवों को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।

फिल्म में नाना पाटेकर ने दशरथ जोगलेकर नाम के प्रतिष्ठित लेखक की भूमिका निभाई थी। कहानी के अनुसार, वह साहित्य का एक प्रतिष्ठित पुरस्कार लेने के लिए हैदराबाद से दिल्ली की यात्रा पर निकलते हैं। इस सफर के दौरान उनके सामने अतीत की कई यादें और अनुभव उभरकर आते हैं। उनकी यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने की कहानी नहीं है, बल्कि उनके व्यक्तिगत जीवन और साहित्यिक कल्पना की पड़ताल भी करती है।

दीप्ति नवल ने फिल्म में दशरथ जोगलेकर की पत्नी स्मिता का किरदार निभाया था। उनका चरित्र सौम्यता, जिम्मेदारी और पारिवारिक जीवन का प्रतिनिधित्व करता है। वह लेखक के जीवन में एक शांत और स्थिर आधार के रूप में दिखाई देती हैं। दूसरी ओर, अभिनेत्री रेखा ने लजवंती नाम की एक तवायफ की भूमिका निभाई थी। यह किरदार दशरथ के उपन्यास की नायिका होने के साथ उनके अतीत और कल्पना से भी जुड़ा हुआ है। फिल्म में लजवंती के माध्यम से समाज की सोच, मानवीय भावनाओं और वास्तविकता को देखने के अलग-अलग नजरियों को प्रस्तुत किया गया है। कहानी आगे बढ़ने के साथ दर्शकों को लेखक के निजी अनुभवों और उसकी रचनात्मक दुनिया के बीच का अंतर समझने का अवसर मिलता है।

तेहरान की पार्टियों से शुरू हुआ था गायिका शारदा का सफर

वर्ष 1960 के दशक में अपनी मधुर आवाज से लोकप्रियता हासिल करने वाली भारतीय पार्श्व गायिका शारदा राजन अयंगर की फिल्मी दुनिया तक पहुंचने की कहानी किसी फिल्म की पटकथा से कम दिलचस्प नहीं है। शारदा का गायन सफर ईरान की राजधानी तेहरान में आयोजित भारतीय समुदाय की पार्टियों से शुरू हुआ था। पार्टी में गाना गा रही शारदा की आवाज ने अभिनेता और फिल्म निर्माता राज कपूर का ध्यान आकर्षित किया। बताया जाता है कि तेहरान में फिल्म वितरक श्रीचंद आहूजा ने राज कपूर के लिए एक पार्टी आयोजित की थी। इस कार्यक्रम में शारदा ने अपनी आवाज में गाने प्रस्तुत किए। उनकी गायकी से राज कपूर काफी प्रभावित हुए। उन्होंने शारदा को मुंबई आने का निमंत्रण दिया। इसके बाद शारदा मुंबई पहुंचीं, जहां राज कपूर ने उनकी मुलाकात संगीतकार जोड़ी शंकर-जयकिशन के शंकर से कराई। उन्होंने उस्ताद जगन्नाथ प्रसाद और गायक मुकेश से भी संगीत की शिक्षा ली।

शारदा ने वर्ष 1966 में फिल्म सूरज से हिंदी फिल्म जगत में कदम रखा। इस फिल्म का उनका गाया गीत तितली उड़ी, उड़ जो चली बेहद लोकप्रिय हुआ। गीत की सफलता ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने गुमनाम, शतरंज और अराउंड द वर्ल्ड जैसी फिल्मों में भी गाने गाए। उनकी आवाज में एक अलग तरह की मिठास थी, जिसने उन्हें उस दौर के अन्य गायकों के बीच विशिष्ट स्थान दिलाया। अपने करियर के दौरान शारदा ने मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, मुकेश, आशा भोसले और

के.जे. येसुदास जैसे प्रतिष्ठित गायकों के साथ काम किया। उन्होंने वैजयंतीमाला, साधना, हेमा मालिनी, रेखा, शर्मिला टैगोर और मुमताज जैसी अभिनेत्रियों के लिए भी पार्श्व गायन किया। वर्ष 1969 से 1972 तक उन्हें लगातार फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। वर्ष 1971 में शारदा ने सिजलर्स नाम से एक पॉप एल्बम रिकॉर्ड किया। इसे किसी भारतीय महिला गायिका के शुरुआती पॉप एल्बमों में शामिल किया जाता है। वर्ष 2007 में उन्होंने मिर्जा गालिब की गजलों पर आधारित एल्बम अंदाज-ए-बयां भी जारी किया। फिल्म कांच की दीवार में वर्ष 1986 में उन्होंने आखिरी बार फिल्मों के लिए गाना गाया। शारदा के करियर से जुड़ी एक चर्चित कहानी फिल्मफेयर पुरस्कारों की श्रेणियों में बदलाव से भी संबंधित है। बताया जाता है कि तितली उड़ी और मोहम्मद रफी के गीत बहारों फूल बरसाओ को समान वोट मिले थे। हालांकि, पुरस्कार रफी को मिला और शारदा को विशेष पुरस्कार दिया गया। इसके बाद अगले वर्ष से पुरुष और महिला पार्श्व गायकों के लिए अलग-अलग श्रेणियां बनाई गईं, ऐसा अक्सर बताया जाता है। शारदा ने हिंदी के अलावा तेलुगू, मराठी, अंग्रेजी और गुजराती भाषाओं में भी गाने गाए। कैंसर से जूझने के बाद 14 जून 2023 को मुंबई में उनका निधन हो गया। उनका संगीत आज भी पुराने हिंदी फिल्मी गीतों के शौकीनों के बीच याद किया जाता है। मालूम हो कि शारदा का जन्म 25 अक्टूबर 1933 को तमिलनाडु के कुंभकोणम में हुआ था। बचपन से ही उन्हें संगीत में रुचि थी। वह हिंदी गानों को तमिल भाषा में लिखती थीं और उन्हें गुनगुनाती रहती थीं। धीरे-धीरे यह शौक उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। बाद में उनका परिवार तेहरान चला गया। वहां भारतीय समुदाय के कार्यक्रमों और पार्टियों में शारदा गाने गाया करती थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात ऐसे लोगों से हुई, जिन्होंने उनके लिए फिल्मी दुनिया के दरवाजे खोलने में भूमिका निभाई।

टाइगर श्रॉफ कार फायरिंग मामले में राम गोपाल वर्मा का तंज

ने सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग के मामले को लेकर फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने एक टिप्पणी की है। रामगोपाल वर्मा की टिप्पणी सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इस मामले और वास्तविक जिंदगी में अपराधियों की पहचान को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। उन्होंने इस घटना में शामिल होने के आरोपों का सामना कर रहे कथित शूटरों की शक्ल-सूरत की तुलना फिल्मों में अपराधियों के किरदारों के लिए होने वाली कास्टिंग से की। राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग करने के आरोपी जिस तरह दिखाई देते हैं, उन्हें किसी फिल्म में खलनायक के गिरोह में चाय पहुंचाने वाले लड़कों की भूमिका भी शायद नहीं मिलेगी। उनकी इस टिप्पणी का आशय यह था कि वास्तविक जिंदगी में अपराध से जुड़े लोगों

का रूप-रंग फिल्मों में दिखाए जाने वाले पारंपरिक गैंगस्टरों से काफी अलग हो सकता है। फिल्म निर्माता ने अपनी पोस्ट में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यदि भारत के सबसे चर्चित गैंगस्टरों में शामिल दाऊद इब्राहिम पर फिल्म बनाई जाए, तो संभव है कि उसके जैसा दिखने वाले व्यक्ति को भी उसका किरदार निभाने के लिए नहीं चुना जाए। राम गोपाल वर्मा ने लिखा कि वास्तविक जिंदगी में अपराधियों की पहचान और फिल्मों में उनकी प्रस्तुति के बीच काफी अंतर होता है। उन्होंने अपनी पोस्ट में कास्टिंग निर्देशक मुकेश छाबड़ा को भी टैग किया। राम गोपाल वर्मा की टिप्पणी पर सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ लोगों ने उनकी बात का समर्थन करते हुए कहा कि फिल्मों में अपराधियों को अक्सर एक खास अंदाज में दिखाया जाता है, जबकि वास्तविक जीवन में अपराध करने वाले लोग सामान्य व्यक्तियों की तरह दिखाई दे सकते हैं। वहीं, कुछ उपयोगकर्ताओं ने फिल्म निर्माता की टिप्पणी से असहमति जताई और कहा कि फिल्मों में कलाकारों का चयन केवल वास्तविक अपराधियों से शारीरिक समानता के आधार पर नहीं होता। इससे पहले भी राम गोपाल वर्मा ने टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग को लेकर प्रतिक्रिया दी थी।

मस्कारा खरीदने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान, मिलेगा सही विकल्प

मस्कारा एक ऐसी सुंदरता बढ़ाने वाली चीज़ है, जो आंखों की खूबसूरती को बढ़ाने में मदद करती है। सही मस्कारा चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है क्योंकि बाजार में कई तरह के विकल्प उपलब्ध हैं। ऐसे में आपको कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आप अपने लिए सबसे अच्छा मस्कारा चुन सकें। इस लेख में हम आपको मस्कारा खरीदते समय ध्यान देने योग्य 5 अहम बातें बताएंगे, जो आपकी मदद करेंगी। मस्कारा खरीदते समय सबसे पहले अपनी पलकों के प्रकार को समझना जरूरी है। अगर आपकी पलकें पतली और हल्की हैं तो घना दिखाने वाला मस्कारा चुनें। इससे आपकी पलकें भरी-भरी दिखेंगी, वहीं अगर आपकी पलकें पहले से ही लंबी और घनी हैं तो

आपको लंबाई बढ़ाने वाला मस्कारा चाहिए होगा। यह आपकी पलकें और भी ज्यादा आकर्षक बनाएगा और आपके लुक को खास बनाएगा। मस्कारा खरीदते समय ब्रश की बनावट पर खास ध्यान देना चाहिए क्योंकि इसका असर आपके लुक पर पड़ता है। अगर आप घने ब्रश वाले मस्कारा का इस्तेमाल करेंगे तो यह आपकी पलकें को अच्छी तरह से कोट करेगा और उन्हें अलग-अलग करेगा। वहीं अगर ब्रश पतला होता है तो यह आपकी पलकें को लंबा और घना बनाएगा। इसलिए अपनी जरूरत अनुसार ब्रश की बनावट चुनें ताकि आपका लुक बेहतरीन लगे। मस्कारा खरीदते समय यह तय करना जरूरी है कि आपको पानी से बचाने वाला मस्कारा चाहिए या सामान्य। पानी से बचाने वाला मस्कारा बारिश, पसीने या आंसुओं से बचाता है और पूरे दिन चलता रहता है, वहीं सामान्य मस्कारा आसानी से साफ हो जाता है और त्वचा पर हल्का महसूस होता है। अगर आप रोजाना मेकअप करते हैं तो पानी से बचाने वाला मस्कारा बेहतर रहेगा क्योंकि यह लंबे समय तक टिकता है और ब्लेंडिंग में भी मदद करता है।

रंग का चयन करें : मस्कारा खरीदते समय रंग का चयन भी अहम होता है। काला रंग हमेशा सुरक्षित विकल्प होता है क्योंकि यह हर प्रकार की त्वचा पर सूट करता है और आंखों को खास लुक देता है। हालांकि, अगर आप कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो भूरा या नीला जैसे रंग भी अच्छे लग सकते हैं। ये रंग आंखों को अलग अंदाज देते हैं और आपके लुक को खास बनाते हैं। अंतिम लेकिन अहम बात यह है कि मस्कारा खरीदते समय ब्रांड पर ध्यान देना चाहिए। हमेशा किसी प्रसिद्ध ब्रांड का मस्कारा चुनें जो अच्छी गुणवत्ता और भरोसेमंद हो। इससे आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे और आपकी आंखें खूबसूरत दिखेंगी। इन 5 बातों का ध्यान रखकर आप अपने लिए सही मस्कारा चुन सकते हैं जो आपकी आंखों को सबसे अच्छा लुक देगा।

Safety culture key to effective disaster management

Sagar Suraj

Disaster Mitra volunteers trained in first aid, CPR, search and rescue

Motihari: Strengthening disaster preparedness at the grassroots level, a two-day training workshop for Disaster Mitra volunteers began at the District Disaster Management Training Centre in Piprakothi on Monday, equipping participants with life-saving skills and practical knowledge to respond to emergencies.

Organised by Save the Children (Bal Raksha Bharat) in collaboration with the District Disaster Management Authority (DDMA), East Champaran, and supported by Salesforce, the workshop is part of the Climate-Smart and Disaster-Resilient Communities project.

The workshop was jointly inaugurated by Vikas Kumar, in-charge officer for disaster management and senior deputy collector; Krishna Kumar, team leader of the State Disaster Response Force (SDRF); Govind, programmer engineer in the disaster management department; Dr Mukesh Kushwaha and Dr Shafi Imam of Sadar Hospital; and Aseem Mandal of Bal Raksha Bharat.

Addressing the participants, Vikas Kumar stressed the need to promote a culture of safety to strengthen disaster management and reduce the impact of natural calamities. He said Bal Raksha Bharat and the DDMA were working to improve disaster preparedness and address climate-related risks in 20 villages and 40 schools in Motihari block.

The trained volunteers will play a key role in spreading awareness among children, teachers and community members about disaster risks, preventive measures and timely responses during emergencies, he said.

Scheduled for October 26 and 27, the workshop covers first aid, cardiopulmonary resuscitation (CPR), search and rescue, safe evacuation, shelter management and coordination with local communities.

During the training, a team from Sadar Hospital demonstrated first aid and CPR techniques through mock drills, while SDRF personnel conducted practical exercises on search and rescue and shelter management.

The sessions also highlighted the importance of a swift, safe and coordinated response to disasters such as floods and earthquakes. On the second day, the fire department will train volunteers in fire prevention and safety measures.

The workshop is being conducted by Hamid Raza and Satya Prakash of Bal Raksha Bharat. The initiative aims to build local capacity and enable communities to respond more effectively to emergencies.

EC refuses to give details of SIR software, cites 'trade secrets, IPR'

New Delhi, Agency: Election Commission has declined to disclose the name and version of the software it used to identify errors and anomalies in voter rolls during SIR, saying the information was related to "commercial confidence, trade secrets and intellectual property" and, thus, exempt under RTI Act. The reply, dated Oct 16, came in response to an RTI plea.

M A Mujeeb Ayyub, a social activist from Karimpur in Telangana, in his RTI plea dated July 27 had sought information regarding the software, application, algorithm or AI platform used by EC to identify errors, anomalies or inconsistencies in electoral rolls during SIR.

In response, EC said, "No new software has been developed or procured for the SIR exercise. Further, EROs decide on the inclusion/exclusion of an elector on the basis of facts and records." An EC official said software and algorithm details were conventionally not shared under RTI requests. Even EVM manufacturers like Bharat Electronics Ltd and Electronics Corporation of India

Ltd have earlier refused to share EVM source codes while replying to RTI queries. Ayyub had sought to know whether the software or the AI platform automatically flagged records for verification, correction or deletion and if that was the case, what was the detailed workflow followed after such records were identified.

He had asked whether any AI, machine learning, predictive analytics, or automated decision support system was used in any stage of the SIR exercise.

In response to the queries, EC simply said the information sought was a "clarification which does not come under the information as per Section 2(f) of RTI Act".

EAM to UN: Lead during global crises, don't just be a spectator

New Delhi, Agency: Urging UN to show leadership, and not remain a mere spectator to global crises, external affairs minister S Jaishankar said Sunday large parts of the world cannot be left out from decision-making. At an event on UN Day, he underlined the need for long-awaited reforms.

"We live in an imperfect world but we all continuously strive towards greater perfection. Where UN is concerned, that means recognising its shortcomings and limitations and seeking its improvement. The case for reformed multilateralism gets stronger by the day," he said.

Jaishankar spoke about how countries with little say were paying the price for conflicts in West Asia and Ukraine. He also underscored the threat to peace from terrorism, saying its usage as an instrument of statecraft is simply unacceptable.

"It can never be justified; it can never be rationalised. Yet, it continues because not all states really display zero-tolerance. Despite history holding so many lessons, some still allow political calculations to take precedence."

"The world must develop sharper awareness about this common threat. And it must come together with stronger resolve and counter terrorism in all its forms and manifestations," he added. He said the world cannot advance half-prosperous and half-denied and in an era of intricate supply chains, of globalised markets and of common resources, this is simply a prescription for continuous instability. "The Global South today faces a 4F crisis: of finance, fuel, food, and fertiliser. The Global North must realise it has equal stakes in finding solutions. International economy must be urgently de-risked and nations provided with more diversified options. Market distortions through constriction and choke-points only add to suffering. A genuine dialogue in this regard is overdue," the minister said.

Underlining the significance of AI as the mother of all change, Jaishankar said something so sweeping and consequential cannot be left in the hands of just a few. "That would go counter to the trends of freedom and democratisation that the world has seen over the last eighty years," he added.

EPFO considers Rs 25,000cr war chest to stabilise interest payouts

New Delhi, Agency: Employees' Provident Fund Organisation is discussing a dedicated Rs 25,000-crore Interest Stabilisation Reserve, designed to insulate the annual interest payouts of its nearly 30 crore members from the turbulence caused by corporate bond defaults and forced-exit losses. Officials said EPFO and government want a stable regime for its subscribers and wish to avoid any sharp fall or spike in rates due to market conditions or defaults.

Under existing regulatory frameworks, credit losses and exit haircuts, resulting from downgraded securities, directly impact EPFO's interest account and depress the annual interest rate for members.

Report on ISR sent to panel studying EPFO investment framework. A proposal submitted by IIM Kozhikode, which among other things studied the feasibility of creating an Interest Stabilisation Reserve (ISR), was discussed in detail by EPFO's investment committee (IC) Thursday, Media has learnt. The report has now been sent to a high-poweredJ panel constituted to examine the agency's investment framework and recognise non-performing investments.

The report suggested building the stabilisation reserve progressively via surplus ETF capital

gains and excess interest income and investing it strictly in liquid govt securities (G-Secs) to ensure absolute capital safety, sovereign backing, immediate liquidity, and risk-free yield, said persons familiar with the deliberations.

The reserve will not only shield subscribers but will also back active exit policies and empower portfolio managers to execute disciplined, multi-year exits from troubled assets without hesitation. The report took into account the current realities of India's over-the-counter (OTC) corporate bond market, which remains shallow and illiquid, such that when institutional holders such as EPFO are forced to exit distressed assets, thin market depth results in severe haircuts.

Historically, EPFO relied heavily on equity ETF capital gains to offset credit stress.

The report, however, noted that the volatile market downturn of FY 2019-20 coincided with major credit events like the IL&FS default, which exposed a critical vulnerability. "Credit stress and equity market crashes are highly correlated. Relying solely on ETF gains is dangerous; a standalone prudential reserve is a structural necessity," it said. The study evaluated absolute worst-case liquidation scenarios across the portfolio netted against available ETF gains, pinpointing a cumulative baseline shortfall of approximately Rs 23,837 crore.

"To account for incomplete market data and ensure a bullet-proof prudential buffer, the report recommends formalising an ISR Fund of Rs 25,000 crore," it said.

The study also ran a historical back-testing simulation which modelled portfolio returns from 2010-11 to 2023-24, demonstrating that a Rs 25,000-crore baseline successfully absorbs annual shortfalls and stabilises declared interest rates across typical economic cycles.

The only exception was 2019-20, where portfolio deficit spiked to Rs 55,640 crore, leading to deep drawdown from the reserve.

"However, the subsequent recovery in investment performance in later years indicates that such a shortfall would likely have been temporary in nature.

In such a scenario, EPFO could have bridged the temporary deficit through a short-term advance or loan mechanism, which could subsequently be repaid from future surpluses generated during recovery years," the study said.

Delhi Police file FIR against Congress 3 MPs over alleged trespassing at Jamia during student protest

New Delhi, Agency: Delhi Police have registered an FIR against three MPs who visited Jamia Millia Islamia University over alleged trespassing, following a complaint by the university authorities, amid ongoing student protests demanding the restoration of the students' union.

According to news agency Media, the FIR was registered following the MPs' visit to the campus to meet students protesting for the restoration of the Jamia Millia Islamia Students' Union (JMISU), withdrawal of disciplinary action against protesters and other demands.

Jamia Registrar Md Mahtab Alam Rizvi had accused Congress MPs Imran Masood and Imran Pratapgarhi of entering the campus without authorisation. Rizvi alleged that Masood crossed a wall to enter the premises, while Pratapgarhi broke a lock.

The protest began on October 12, with students demanding the restoration of the students' union and a definite schedule for elections. They have also sought the withdrawal of disciplinary action against students who participated in the agitation.

According to the Press Trust of India (Media), Jamia's last students' union elections were held in 2005, and the union was dissolved in 2006. The current agitation has also brought attention to student concerns over attendance policies, hostel facilities, scholarships and research stipends.

The protests have drawn support from opposition leaders. Media reported that Samajwadi Party MP Mohibbullah Nadvi was detained while travelling to meet the protesting students and was later released. Congress MP Imran Masood was also detained near the university during the agitation.

The university administration has said a committee is preparing a draft constitution for the students' union. Registrar Rizvi told Media that the election schedule would be announced after the draft constitution was submitted. The administration has also said disciplinary cases against students would be reviewed.

The controversy has widened following reports of graffiti on campus walls, including the slogan "Free Kashmir". The university condemned the graffiti, while Masood told Media that he had denounced the slogan and maintained that Kashmir is an integral part of India.

Women founders are building India's social startups, their representation in nonprofits outpaces corporate leadership by a big margin, shows study

New Delhi, Agency: A survey of more than 145 organisations working in the social impact space shows that over 57% of non-profits have at least one female founder - more than three times the 18% share reported among Indian startups. Moreover, female representation in the nonprofit sector outpaces corporate leadership, where women hold just 1.8% of CEO positions, 4.4% of CFO positions, and 29% of executive director roles.

These findings are part of accelerator for non-profits Change Engine's 'East of Doing Good' report - "Access to flexible funding: a Gender Lens". The survey covers small organisations (annual budgets less than Rs 1 crore), medium (annual budgets between Rs 1 crore -5 crore) and large organisations (Rs 5 crore and more). The study sample also had an almost equal split between organisations eligible for foreign funding (with FCRA or US 501(c)) and those that were not.

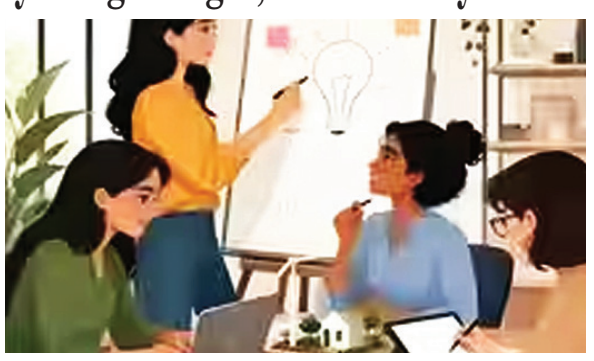

Out of the 145 plus organisations surveyed, nearly 31% have only female founders, while around 27% have both male and female founders.

The research also shows that women are not only founding more nonprofits, but women founded organisations are better funded and hold more long term flexible funding. The study found that non-profits with atleast one female founder also had bigger budgets. The data shows that 70% of organisations with at least one female founder have an annual budget of over Rs 1 crore, compared to 43.5% of organisations with only-male founders.

Also around 21% of organisations with at least one female founder have more than 25% of their budget in flexible unrestricted funding, compared to just about 13% of organisations with only male founders. Flexible funding is the non-programmatic funding that nonprofits can use to invest in talent, technology, research and strengthening the organisation.

'Creamy layer case in SC won't hit seniority of CSE-2025 batch'

New Delhi, Agency: The pendency of the case regarding the OBC creamy layer in Supreme Court will not affect the seniority of successful candidates of 2025 batch even though their service allocation and foundation course are still to be finalised, official sources said on Sunday. DoPT officials said, "The department and all training institutes are prepared to allocate services expeditiously to CSE-2025 candidates and commence foundation course at the earliest. Delay in commencement of the foundation course will have no bearing on the seniority, gradation or other service conditions of the candidates." The

clarification concerns the fate of successful candidates in the wake of SC's Rohith Nathan judgement of March 11 in which it had said "salary" cannot be added to "income" for defining "creamy layer" criteria for any category of OBC candidates, including those whose parents are employed in PSUs/banks, etc. The judgement pertained to the case of candidates from PSU background being categorised over the years as "creamy layer" by including "salary" in the "income" of their parents.